कोटद्वार, शुक्रवार
20 फरवरी 2026
वर्षः 48
अंकः 267 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

# जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

## एक नजर

### किडनी की बीमारी से तंग आकर ट्रांसपोर्टर ने खुद को गोली से उड़ाया

रुड़की। किडनी की बीमारी से तंग आकर एक ट्रांसपोर्टर ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से खुद को गोली मार ली। इससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के समय ट्रांसपोर्टर का बेटा उन्हें डॉक्टर के यहां ले जाने की तैयारी कर रहा था। जानकारी पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल रुड़की की मोर्चरी भिजवाया। मंगलौर कोतवाली क्षेत्र के आकाशदीप कॉलोनी निवासी 45 वर्षीय राकेश प्रजापति ट्रांसपोर्ट का काम करते थे। पिछले कुछ माह से वह कीडनी की बीमारी से पीड़ित थे। घर में उनकी पत्नी और बेटा उनके साथ रहते थे जबकि बेटी की शादी हो चुकी है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अमरजीत सिंह ने बताया कि देहरादून के एक अस्पताल में राकेश प्रजापति का उपचार चल रहा था। उनकी वहां लगातार डायलिसिस होती रही।

### कपकोट के उच्च हिमालयी गांवों में हल्की बर्फबारी

बागेश्वर। जिले में दो दिन से मौसम का मिजाज बदला हुआ है। बुधवार को दिनभर बादल छाए रहे, जबकि गुरुवार सुबह से ही कपकोट और दुग–नाकुरी तहसील क्षेत्र में झमाझम बारिश हुई। बारिश से बचने के लिए लोगों को छाते का सहारा लेना पड़ा। अपराह्न करीब एक बजे के बाद कपकोट के उच्च हिमालयी क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी हुई, जिससे तापमान गिरकर पांच डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। ठंड बढ़ने से जनजीवन प्रभावित रहा। किसानों ने इस बारिश को खेती और फल उत्पादन के लिए लाभदायक बताया है। देर शाम मौसम साफ होने पर धूप निकल आई, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली।

### बारिश और बादलों ने बढ़ाई ठंड

नैनीताल। नैनीताल में गुरुवार को सुबह हल्की बारिश हुई। साथ ही ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हिमकण गिरे और दिन भर बादल छाए रहे। जिसके चलते ठंड में इजाफा हुआ है। गुरुवार तड़के से ही मौसम खराब होना शुरू हो गया था। सुबह हल्की बारिश हुई और हिमकण भी गिरे। इसके बाद मौसम साफ हो गया और धूप निकल आई। करीब 11 बजे फिर से आसमान में घने बादल में छा गए और 3 बजे हल्की बूंदाबांदी हुई। साथ ही दिन भर घने बादल आसमान में डेरा डाले रहे और बारिश की संभावना बनी रही। मौसम विज्ञानियों ने अगले दो–तीन दिन तक मौसम साफ रहने का अनुमान लगाया है। जीआईसी मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार गुरुवार को शहर का अधिकतम तापमान 19 डिग्री और न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बीते 24 घंटों में 2 मिमी बारिश दर्ज की गई। हल्की बारिश के बीच कैंची धाम में उमड़े श्रद्धालु भवाली। कैंची धाम में गुरुवार को करीब 6 हजार श्रद्धालुओं ने नीब करौरी महाराज के पटशिला के दर्शन किए। बारिश और ठंड के कारण श्रद्धालुओं की संख्या सामान्य रही। सुबह से श्रद्धालुओं का आगमन हुआ, और मंदिर परिसर में सुव्यवस्थित ढंग से दर्शन हुए।

### पत्थर से टकराया सामान से लदा ट्रक , तीन घंटे बाधित रहा बदरीनाथ हाईवे

चमोली। बदरीनाथ हाईवे पर बृहस्पतिवार को चमोली बाजार के समीप एक ट्रक पत्थर से टकरा गया। ट्रक सड़क पर ही अनियंत्रित रूप से खड़ा हो गया जिससे हाईवे पर करीब तीन घंटों तक वाहनों की आवाजाही बाधित रही। बाद में जेसीबी की मदद से ट्रक को किनारे किया गया जिसके बाद वाहनों की आवाजाही सुचारु हो सकी। बृहस्पतिवार को सुबह छह बजे पीपलकोटी की ओर जा रहा सामान से लदा एक ट्रक दशोली ब्लॉक को जाने वाली रोड के शुरूआत में पत्थर से टकराने के बाद हाईवे पर ही तिरछा हो गया। जिसके बाद वाहनों की आवाजाही रुक गई। देखते ही देखते हाईवे पर लंबा जाम लग गया। ज्यातिर्मठ से ऋषिकेश व देहरादून जाने वाली परिवहन की बसें भी जाम में फंस गई। जिससे सवारियों का यात्रा शेड्यूल बिगड़ गया। उन्होंने वाहनों में बैठकर ही हाईवे के सुचारु होने का इंतजार किया। थाना पुलिस की ओर से एनएचआईडीसीएल के अधिकारियों को हाईवे बाधित होने की सूचना दी गई, जिस पर एनएच के अधिकारी जेसीबी के साथ मौके पर पहुंचे।

# अमेरिका–चीन पर निर्भर नहीं रहना चाहते भारत और फ्रांस

नई दिल्ली , इमैनुएल मैक्रों ने कहा है कि भारत और फ्रांस अमेरिका या चीन के एआई मॉडल पर पूरी तरह निर्भर नहीं रहना चाहते। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के साथ–साथ पूरे यूरोप में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में रणनीतिक स्वायत्तता हासिल करने का साझा संकल्प है। मैक्रों ने जोर देकर कहा, मैं सच में मानता हूं कि भारत, फ्रांस और यूरोप में हमारा एक ही जुनून है कि हम अमेरिका या चीन के किसी एक मॉडल पर पूरी तरह निर्भर नहीं होना चाहते। हमें एक व्यापक और संतुलित मॉडल चाहिए। फ्रांसीसी राष्ट्रपति का यह बयान ऐसे समय में आया है जब दुनिया भर में ढ्ढ की दौड़ तेज हो चुकी है और कुछ बड़े वैश्विक खिलाड़ी बाजार पर हावी हैं। मैक्रों ने भारत, फ्रांस और यूरोप से एकजुट होकर ऐसा ढांचा तैयार करने की अपील की जो तकनीकी संप्रभुता को प्राथमिकता दे और किसी एक देश या कंपनी पर आंख मूंदकर भरोसा न करे। मैक्रों ने ढ्ढ के क्षेत्र में स्वतंत्रता हासिल करने के लिए मजबूत आधार तैयार करने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा, हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हमारे पास पर्याप्त डेटा सेंटर और कंप्यूटिंग क्षमता हो।

हमें अपने देशों में प्रतिभाओं को प्रशिक्षित करना होगा। यह साफ तौर पर कंप्यूटिंग क्षमता, प्रतिभा और पूंजी का सवाल है।

उन्होंने स्वीकार किया कि ढ्ढ की वैश्विक दौड़ में अमेरिका और चीन फिलहाल आगे हैं, जबकि भारत और फ्रांस पीछे हैं। हालांकि उन्होंने विश्वास जताया कि दोनों देशों के पास मजबूत संसाधन और क्षमता मौजूद है। मैक्रों ने कहा, हम अमेरिका और चीन से पीछे हैं, लेकिन हम इस रेस में हैं। हमारे पास कई अहम एसेट्स हैं और हम प्रतिस्पर्धा में बने हुए हैं।

## एचआईवी संक्रमित युवक की मौत

हल्द्वानी : मादक पदार्थों की तस्करी के मामले में जेल में बंद एचआईवी संक्रमित युवक की डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल (एसटीएच) में उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

पुलिस के मुताबिक वनभूलपुरा का रहने वाला 30 साल का युवक लंबे समय से एचआईवी की गंभीर बीमारी से जूझ रहा था। अप्रैल 2025 में वनभूलपुरा पुलिस ने युवक को मादक पदार्थ की तस्करी के आरोप में पकड़ा और एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जेल भेजा था। पुलिस के मुताबिक युवक नशे का आदी था और नशे के इंजेक्शन उपयोग करता था। इस कारण वह एचआईवी संक्रमित हो गया। जेल में तबीयत बिगड़ने से उसे 12 फरवरी को नैनीताल के बीडी पांडे अस्पताल में भर्ती किया गया। जहां से चिकित्सकों ने उसे एसटीएच हल्द्वानी रेफर कर दिया था। बुधवार देर रात युवक ने दम तोड़ दिया। एसएचओ विजय मेहता ने बताया कि कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। (एजेंसी)

# सौर ऊर्जा में उत्तराखंड ने बनाया नया कीर्तिमान, उत्पादन क्षमता पहुंची एक गीगावाट तक

देहरादून। उत्तराखंड की सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता ने एक गीगावाट (1000 मेगावाट) का आंकड़ा पार कर नया कीर्तिमान बना दिया है। अब राज्य की कुल सौर ऊर्जा क्षमता 1027.87 मेगावाट हो गई है।

सौर ऊर्जा का उत्पादन तेजी से बढ़ने के साथ ही उत्तराखंड हरित ऊर्जा का नया केंद्र बन गया है। अब प्रदेश सरकार का लक्ष्य वर्ष 2027 तक सौर ऊर्जा क्षमता को 2.5 गीगावाट (2500 मेगावाट) करने का है।

ऊर्जा क्षेत्र में उत्तराखंड की पहचान जलविद्युत परियोजनाओं से होती थी, लेकिन सौर ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में एक गीगावाट से अधिक स्थापित सौर क्षमता हासिल कर राज्य ने ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ठोस नींव रख दी है।

राज्य ने यह उपलब्धि अनेक योजनाओं के सतत क्रियान्वयन से प्राप्त की है। इस उपलब्धि को पाने में उत्तराखंड अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (उरेडा) ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एजेंसी ने खासकर दूरस्थ व पर्वतीय क्षेत्रों तक सौर ऊर्जा को पहुंचाकर जन–जन से जोड़ा।

प्रदेश सरकार ने सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए अनुकूल वातावरण, सब्सिडी का प्रविधान, सरल अनुमोदन प्रक्रिया तथा निजी निवेश को प्रोत्साहन दिया। इन प्रयासों से उत्तराखंड तेजी से देश के अग्रणी सौर ऊर्जा राज्यों की पंक्ति में आ खड़ा हुआ।

पाइपलाइन में कई प्रोजेक्ट

मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना के अंतर्गत 100 मेगावाट से अधिक क्षमता के संयंत्र स्थापना की प्रक्रिया में चल रहे हैं। इसके अतिरिक्त कैप्टिव सोलर पावर प्लांट के 30 मेगावाट और सरकारी भवनों पर 13.5 मेगावाट क्षमता के सौर संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं। इन प्रयासों से कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन को नई गति मिलेगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और नवीकरणीय ऊर्जा के प्रति उनकी स्पष्ट नीति से ही यह उपलब्धि हासिल हुई है। आत्मनिर्भर भारत और हरित ऊर्जा का जो व्यापक विजन देश के सामने रखा गया, उसी प्रेरणा से उत्तराखंड में सौर ऊर्जा को जनआंदोलन का स्वरूप मिला। केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों ने न केवल ऊर्जा उत्पादन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सका, बल्कि हजारों युवाओं और स्थानीय उद्यमियों के लिए स्वरोजगार के नए द्वार भी खोले गए। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में उत्तराखंड हरित ऊर्जा के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में अपनी सशक्त पहचान और मजबूत करेगा।

**–पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री, उत्तराखंड**

# गौचर हवाई पट्टी का सेना के माध्यम से किया जाएगा संचालन :मुख्यमंत्री

## सीएम धामी ने किया चिन्यालीसौड़ में आयोजित जन–जन की सरकार,जन –जन के द्वार कार्यक्रम का शुभारंभ

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को विकास खंड परिसर चिन्यालीसौड़ में आयोजित जन–जन की सरकार,जन –जन के द्वार कार्यक्रम में विभागीय स्टालों का निरीक्षण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों की समस्या एवं शिकायतें सुनते हुए मौके पर ही अधिकारियों की उपस्थिति में अधिकांश समस्याओं का निस्तारण किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित "जन–जन की सरकार, जन–जन के द्वार" कार्यक्रम से आम जन को राहत मिली है तथा प्रशासनिक व्यवस्था और अधिक सुगम और पारदर्शी हुई है। इस अभियान के तहत अब तक 600 से अधिक शिविर आयोजित किए जा चुके हैं। इन शिविरों में पाँच लाख से अधिक लोगों ने भाग लिया, जबकि 40 हजार से ज्यादा लोगों को विभिन्न योजनाओं का सीधा लाभ प्रदान किया गया है।

उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि दूर–दराज के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को छोटी–छोटी समस्याओं के समाधान के लिए जिला मुख्यालय तक न जाना पड़े। इसी उद्देश्य से अभियान चलाकर गांव–गांव में शिविर लगाए जा रहे हैं, जहां मौके पर ही समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पहल से आमजन को राहत मिली है और प्रशासनिक व्यवस्था अधिक सुलभ एवं पारदर्शी बनी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में हैली सेवा के विस्तार के लिए सरकार ने अहम निर्णय लिए है। उन्होंने कहा कि चिन्यालीसौड़ एवं गौचर हवाई पट्टी से हैली सेवा शुरू होगी। दोनों हवाई पट्टी सेना के माध्यम से संचालित करने की योजना है। उन्होंने कहा कि अप्रैल से चारधाम यात्रा शुरू हो जाएगी। सरकार ने यात्रा की तैयारी पहले से ही शुरू कर दी है। ताकि यात्री, श्रद्धालु यहां से अच्छा अनुभव लेकर जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार यात्रा शुरू कराने में समन्वयक के रूप में है जबकि असली यात्रा शुरू कराने में स्थानीय हितधारक, तीर्थ पुरोहित, होटल,टैक्सी, मैक्सी स्थानीय लोग है। मुख्यमंत्री ने कहा की आज पूरी दुनिया में सनातन का उद्घोष हो रहा है।

## सुरंग के अंदर से गुजर रहा था बाइक सवार, कार की टक्कर से मौत

उत्तरकाशी। उत्तरकाशी तांबाखानी सुरंग के अंदर से गुजर रहे बाइक सवार को एक कार ने टक्कर मार दी। पुलिस ने घायल को उपचार के लिए तत्काल अस्पताल पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने घायल को सीपीआर देकर बचाने की कोशिश की, लेकिन उसने दम तोड़ दिया। उत्तरकाशी की तांबाखानी सुरंग के अंदर बीते बुधवार देर शाम को करीब साढ़े आठ बजे तांबाखानी सुरंग से गुजर रहा था। इसी वक्त बाइक को अज्ञात कार वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे उसको गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने घायल को उपचार के लिए तत्काल अस्पताल पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने घायल को सीपीआर देकर बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन उसने जल्द ही दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि हादसे के वक्त सुरंग में बिजली नहीं थी। सुरंग में बिजली गायब होने पर पालिका की लापरवाही को कोसा जा रहा है। कोतवाली निरीक्षक भावना कैंथोला ने बताया कि हादसा की वजह क्या रही, इसके लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

# केदारनाथ यात्रा की तैयारियों को लेकर प्रशासन ने कमर कसी

## – 15 मार्च से शुरू होगा पैदल मार्ग पर जमी बर्फ हटाने का कार्य

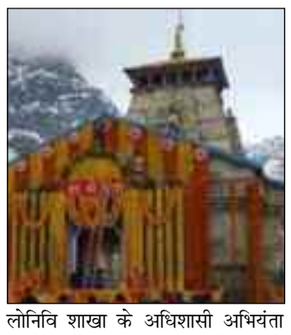

रुद्रप्रयाग। विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम की यात्रा तैयारियों को लेकर प्रशासन ने कमर कस ली है। केदारनाथ पैदल मार्ग पर जमी बर्फ को हटाने का कार्य 15 मार्च से शुरू किया जाएगा। इन दिनों धाम में हल्की बर्फबारी का दौर जारी है, जिससे ऊपरी क्षेत्रों में ठंड बनी हुई है। इस वर्ष चारधाम यात्रा का शुभारंभ अप्रैल महीने में ही हो रही है। आमतौर पर केदारनाथ के कपाट मई के प्रथम सप्ताह में खुलते हैं, लेकिन इस बार कपाट 22 अप्रैल को श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे। यात्रा तिथि निकट होने के कारण प्रशासन को व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित करनी होंगी। इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट के तहत धाम में पुनर्निर्माण एवं सुंदरीकरण कार्य भी गतिमान हैं। ऐसे में श्रमिकों और निर्माण सामग्री की आवाजाही सुचारु करने के लिए पैदल मार्ग से बर्फ हटाना आवश्यक है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की लोनिवि शाखा के अधिशासी अभियंता राघवेंद्र सिंह ने बताया कि बड़ी लिनचोली से लेकर धाम तक लगभग पांच किमी पैदल मार्ग पर बर्फ जमी हुई है। कुछ जगहों पर बर्फ की मोटाई दो से तीन फीट तक है। हालांकि इस वर्ष धाम क्षेत्र में अपेक्षाकृत कम बर्फबारी हुई है, फिर भी मार्ग सुगम बनाने के लिए बर्फ हटाने का कार्य 15 मार्च से प्रारंभ किया जाएगा। बताया कि पहले चरण में पैदल मार्ग को साफ किया जाएगा। इसके बाद मजदूरों को धाम तक पहुंचाया जाएगा, तभी पुनर्निर्माण कार्यों को गति दी जाएगी।

# एआई इम्पैक्ट समिट में भाषण नहीं देंगे बिल गेट्स, फाउंडेशन ने दी जानकारी

नई दिल्ली ,माइक्रोसॉफ्ट के को–फाउंडर बिल गेट्स दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिटझ् में स्पीच नहीं देंगे। गुरुवार को गेट्स फाउंडेशन ने यह जानकारी दी। गेट्स फाउंडेशन ने गुरुवार को स्पष्ट किया कि बिल गेट्स की जगह समिट में उनके अफ्रीका और भारत कार्यालय के अध्यक्ष अंकुर वोरा अपना भाषण देंगे।

फाउंडेशन ने सोशल मीडिया प्लेट-फॉर्म 'एक्स पर लिखा, गहन विचार–विमर्श के बाद और एआई समिट की प्रमुख प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित बनाए रखने के उद्देश्य से गेट्स अपना मुख्य भाषण (कीनोट संबोधन) नहीं देंगे। गेट्स फाउंडेशन का प्रतिनिधित्व अफ्रीका और भारत कार्यालयों के अध्यक्ष अंकुर वोरा करेंगे, जो गुरुवार को बाद में समिट में संबोधित करेंगे।

भारत में अपनी जारी पहलों के प्रति प्रतिबद्धता दोहराते हुए गेट्स फाउंडेशन ने लिखा, हम साझा स्वास्थ्य और विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए भारत में हमारे काम के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। गेट्स फाउंडेशन का यह बयान एपस्टीन फाइलों में कथित तौर पर उनका नाम शामिल होने के बाद हुए विवाद के बीच आया। यह स्पष्टीकरण कई दिनों की अटकलों और अनिश्चितता के बाद आया, जब छह दिवसीय समिट के आधिकारिक प्रमुख प्रतिभागियों की सूची में गेट्स का नाम शामिल नहीं था, जिससे उनकी भागीदारी को लेकर सवाल उठे थे।

'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026झ् का उद्देश्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की परिवर्तनकारी क्षमता का उपयोग करने के लिए सहयोगात्मक रणनीतियां तैयार करना है, साथ ही नवाचार, जिम्मेदार शासन और सीमा–पार साझेदारियों को बढ़ावा देना है। इस समिट में वैश्विक नेता, नीति–निर्माता और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ एक साथ आए हैं, जो आर्थिक विकास को गति देने, शासन में सुधार करने और सामाजिक विकास को तेज करने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की क्षमता पर विचार–विमर्श कर रहे हैं।

## राहुल गांधी समेत 25 कांग्रेसी सांसदों को गोली मारने की धमकी

नई दिल्ली , कांग्रेस नेता राहुल गांधी और 25 कांग्रेसी सांसदों को गोली मारने की धमकी देने वाला वीडियो अपलोड करने वाले एक आदमी के राजस्थान पुलिस ने कोटा से हिरासत में लिया है। पुलिस के मुताबिक, वीडियो में खुद को राज सिंह बताने वाला आदमी करणी सेना का प्रवक्ता है और उसने हाल ही में लोकसभा में हुई एक घटना को लेकर भी धमकियां दी थीं। करणी सेना के कार्यकर्ता, संसद के हाल ही में खत्म हुए बजट सेशन के पहले हिस्से के दौराव 25 कांग्रेसी सांसदों द्वारा लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के साथ की कई गाली–गलौज से नाराज थे। कथित वीडियो में राज सिंह ने चेतावनी दी कि अगर ऐसी घटना दोबारा हुई तो वो सांसदों के घरों में घुसकर तोड़–फोड़ करेंगे। उन्होंने सीधे राहुल गांधी को धमकी देते हुए कहा, अगर ऐसी घटना दोबारा हुई, तो हम उन सांसदों के घरों में घुसकर तोड़–फोड़ करेंगे।

## 30 करोड़ से अधिक की धोखाधड़ी मामला

# विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी श्वेतांबरी भट्ट को मिली जमानत

मुंबई ,30 करोड़ से अधिक की धोखाधड़ी के मामले में फिल्म निर्देशक विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी श्वेतांबरी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। मामले में विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी श्वेताम्बरी भट्ट को सुप्रीम कोर्ट ने नियमित जमानत दे दी है और साथ ही दोनों पक्षों को मध्यस्थता के जरिए मामले को सुलझाने की सलाह दी है। इससे पहले 13 फरवरी को मामले को लेकर हुई सुनवाई में पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने दंपत्ति को मानवीय आधार पर अंतरिम जमानत दी थी और कहा था कि जेल में बंद करके पैसे की रिकवरी नहीं की जा सकती है और साथ ही राजस्थान पुलिस को मामले में नोटिस भी जारी किया था। गुरुवार को कोर्ट ने राजस्थान हाईकोर्ट का फैसला पलटते हुए दंपत्ति को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया, लेकिन जमानत के दिशा–निर्देश उदयपुर कोर्ट ही तय करेगा। बता दें कि 7 दिसंबर से जेल में बंद विक्रम भट्ट ने राजस्थान हाई कोर्ट में जमानत याचिका डाली थी, लेकिन वहां से राहत न मिलने के बाद सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। 30 करोड़ से अधिक की धोखाधड़ी के मामले में आरोप है कि भट्ट दंपति ने शिकायतकर्ता को उसकी दिवंगत पत्नी के जीवन पर बनने वाली बायोपिक और तीन अन्य फिल्मों के लिए 30 करोड़ से अधिक निवेश करने के लिए प्रेरित किया था और उन्हें इसके एवज में अच्छे मुनाफे का भरोसा दिया था, जो पूरा नहीं हुआ। कुछ फिल्मों की शूटिंग हुई, लेकिन बाकी फिल्में ठंडे बस्ते में रहीं। पैसे वापस मांगने पर इंदिरा ग्रुप ऑफ कंपनीज के संस्थापक डॉक्टर अजय मुर्डिया के साथ भट्ट दंपत्ति टालमटोल करने लगे। आखिर में उन्हें कोर्ट का सहारा लेना पड़ा।

# कठिन रास्तों पर भी नहीं डिगा श्रद्धालुओं का हौसला

## बर्फ से बने शिवलिंग के दर्शन करने पहुंच रहे भक्त

मनाली ,पहाड़ी इलाकों में एक बार फिर मौसम ने करवट ली है और पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन गया है। मनाली के पास अंजनी महादेव मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी है, जहां 11 हजार फीट की उंचाई पर 15–20 फीट उंचा प्राकृतिक बर्फ का शिवलिंग खुद–ब–खुद बन गया है। शून्य से नीचे के तापमान के बावजूद, यह 'मिनी अमरनाथ' तीर्थस्थल लोगों को आकर्षित कर रहा है। कड़कड़ाती ठंड और बर्फबारी के बीच जनी महादेव मंदिर में भक्त दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं और बर्फ से स्वयंभू बने शिवलिंग को देखकर इसे महादेव का चमत्कार मान रहे हैं। मौसम और आस्था के संगम ने पर्यटकों का दिल जीत लिया है। मंदिर के पुजारी ने बताया कि धर्म की दृष्टि से स्थल बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि संत शिरोमणि बाबा प्रकाश पुरी इसी स्थल पर अपने अनुयायियों के साथ आए थे। इस स्थल पर हर साल बर्फ का शिवलिंग अपने आप बन जाता है और इसपर महाराज ने अपनी अंतर्यामी दृष्टि से बताया था कि मां अंजनी ने संतान प्राप्ति के लिए प्रार्थना की थी और खुद भगवान ने प्रकट होकर संतान का वरदान दिया था। उन्होंने आगे बताया कि शिवलिंग 15 दिसंबर से फरवरी के महीने तक रहता है और प्रकृति के इस अद्भुत नजारे को देखने के लिए हर साल भक्तों की संख्या बढ़ती रहती है। वहीं बर्फ से बने शिवलिंग के दर्शन करने पहुंचे पर्यटक ने कहा, मैं दो बार बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुका हूं और अब यहां दर्शन करने के बाद महसूस हो रहा है कि तीसरी बार बाबा ने दर्शन करने का मौका दिया है। यहां तक पहुंचने का रास्ता थोड़ा मुश्किल है, लेकिन भक्ति की शक्ति किसी को रोक नहीं सकती है, और यही कारण है कि फिसलन और ठंड के बावजूद भक्त लगातार दर्शन के लिए आ रहे हैं और मन अंदर से बहुत प्रसन्न है। दर्शन करने आई महिलाओं के समूह ने बताया कि पहुंचने में बहुत मेहनत लगी लेकिन बाबा बर्फानी के दर्शन के बाद सारी थकान उतर गई। यहां का प्राकृतिक नजारा और बाबा के दर्शन से ज्यादा सुकून देने वाला कुछ नहीं है। यह वाकई जन्नत है और किसी को दर्शन के लिए एक बार तो आना चाहिए।

## शिवनेर किले में भारी भीड़ से टूटी रेलिंग, भगदड़ मची; कई लोग घायल

पुणे , छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर गुरुवार को महाराष्ट्र के पुणे में शिवनेरी किले के अंदर रेलिंग टूटने से कई लोग जख्मी हो गए। घायलों में महिलाएं और बच्चे बताए जा रहे हैं। इस घटना के कारण किले में भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई। हालांकि, पुलिस प्रशासन ने तत्काल कदम उठाते हुए हालातों को संभाल लिया। जानकारी के अनुसार, शिवाजी महाराज की जयंती के अवसर पर पुणे जिले के शिवनेरी किले में गुरुवार को बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। बुधवार रात से ही किले में लोगों का आना शुरूहो चुका था। इनमें पारंपरिक शिव ज्योत लेकर आने वाले लोग और अलग–अलग संगठनों के सदस्य शामिल हैं। इस भारी भीड़ की वजह से परिसर के अंदर आने–जाने की जरूरी जगहें लगभग बंद हो चुकी थी। भीड़ के भारी दबाव के कारण किले के अंदर एक रेलिंग टूट गई। इससे वहां अफरातफरी का माहौल बन गया। बाहर निकलने की बेचैनी में कुछ लोग दूसरों की मदद से ऊपर चढ़ने लगे थे। बताया गया कि अंबरखाना के नीचे स्थित हाथी दरवाजा क्षेत्र और गणेश दरवाजा जैसे संकरे रास्ते भी भीड़ के कारण लगभग बंद हो गए। लोगों के आगे बढ़ने से धक्का–मुक्की शुरूहो गई और कुछ लोग अफरातफरी के बीच नीचे गिर गए।

# अमेरिका के साथ जंग के हालात के बीच ईरान में 5.5 तीव्रता का भूकंप

## तिब्बत में भी हिली धरती

न्यूयॉर्क ,दुनिया के दो हिस्सों में गुरुवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। तिब्बत में एक बार फिर से गुरुवार को भूकंप के तेज झटके महसूस हुए। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.3 मापी गई और इसकी गहराई 130 किलोमीटर रही। अमेरिका के साथ जंगी हालात के बीच दक्षिणी ईरान में भी 5.5 तीव्रता का भूकंप आया। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, भूकंप 19 फरवरी को सुबह 10 बजकर 10 मिनट पर तिब्बत में अक्षांश 33.57 उत्तर और देशांतर 81.86 पूर्व में महसूस किया गया। हालांकि, इस भूकंप से जानमाल का कितना नुकसान हुआ है, इसके बारे में फिलहाल कोई जानकारी सामने नहीं आई है। एक तरफ न्यूक्लियर डील को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच भारी तनाव चल रहा है। हालात ऐसे हैं कि जंग के आसार भी बनते नजर आ रहे हैं। दूसरी तरफ भूकंप के झटके महसूस होने के बाद ऐसे सवाल उठ रहे हैं कि कहीं ईरान ने न्यूक्लियर परीक्षण तो नहीं कर लिया, जिसकी वजह से धरती हिली। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) ने एक अलग रीडिंग जारी की, जिसमें ईरान में आए भूकंप की तीव्रता 4.4 बताई गई। हालांकि, अधिकारियों की तरफ से फिलहाल तीव्रता को लेकर कोई आंकड़ा जारी नहीं किया गया है। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज (जीएफजेड) ने कहा कि दक्षिणी ईरान में 5.5 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप 10 किलोमीटर (6.21 मील) की गहराई पर था।

## सम्पादकीय

# झूठ और सीनाजोरी का आयोजन

नई दिल्ली में आयोजित एआई ग्लोबल सम्मिट इन दोनों पूरे विश्व भर में चर्चाओं में है। इसलिए नहीं कि भारत सरकार ने एक नायाब आयोजन कराया है बल्कि इसलिए की मंत्रालय एवं एक अधिकारी यूनिवर्सिटी ने दूसरे देश के रोबोट को अपना बताकर दुनिया को भ्रम में डालने का काम किया। यूनिवर्सिटी की यह चाल अब उसी पर भारी पड़ गई है जिसमें साइंस एवं टेक्नोलॉजी मंत्रालय भी पूरी तरह से जिम्मेदार है। चीन में बने रोबोट डॉग को प्रदर्शनी में गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने शामिल किया और उनकी एक कर्मचारी जो की ना तो आईटी सेल की है और ना ही एआई विभाग से उसका कोई लेना देना है, उसे मीडिया के आगे आरोपी की तरह पेश कर दिया। हैरानी की बात यह है की डिपार्मेंट आफ कम्युनिकेशन की इस प्रोफेसर ने इंटरव्यू भी दिया तो केवल उसे पत्रकार को जो की सरकारी चैनल दूरदर्शन से आया था। यानी की साफ है कि इस पूरे आयोजन में गलगोटिया यूनिवर्सिटी को खास तौर पर प्रमोट करने के लिए यहां स्थापित किया गया था जिसने अपने झूठ के काले कारनामे से पूरे देश की इज्जत को विश्व भर में तार–तार कर दिया। चीन निर्मित रोबो डॉग को सोशल मीडिया पर ट्वीट कर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव भी पीछे नहीं रहे लेकिन जब पूरे विश्व में चीन के ट्वीट के बाद झूठ पकड़ा गया तो उन्होंने अपना यह ट्वीट डिलीट कर दिया। यानी की वे भी भांप चुके थे कि बहुत बड़ी गलती हो चुकी है। इस पूरे प्रकरण में यूनिवर्सिटी के कर्ताधर्ता मालिक पर्दे के पीछे साथ बैठे हुए हैं और कम्युनिकेशन विभाग की कर्मचारी को पूरे देश में विलन बनाकर पेश कर दिया गया है। यहां जिम्मेदारी गलगोटिया यूनिवर्सिटी की बनती थी कि वह एआई समिट में उस विभाग के एक्सपर्ट को भेजे जो विषय की जानकारी रखता हो। पब्लिक रिलेशन और कम्युनिकेशन से ताल्लुक रखने वाली कर्मचारियों को विश्व स्तरीय प्रदर्शनी में भेजने का कोई औचित्य ही नहीं था लेकिन गलगोटिया यूनिवर्सिटी के मालिक यह मान चुके थे कि उनकी चोरी पकड़ी नहीं जाएगी क्योंकि उनके ऊपर मंत्रालय का हाथ है। वह शायद यह भूल गए कि आज एक क्लिक में चोरी पकड़ी जाती है और हुआ भी ठीक ऐसा ही। चोरी पकड़ी जाने के बाद न केवल यूनिवर्सिटी से स्टॉल खाली करवाया गया बल्कि यूनिवर्सिटी उस महिला कर्मचारी को भी दोषी बताने से पीछे नहीं हटी जिसने निश्चित तौर पर मैनेजमेंट की जानकारी और सहमति के बाद ही यह तथ्य सामने रखे होंगे। यूनिवर्सिटी के हठधर्मिता तो देखिए कि उसने कम्युनिकेशन की प्रोफेसर को मीडिया से बात करने के लिए अधिकृत मानने से ही इनकार कर दिया, लेकिन प्रश्न यह उठता है कि यदि वह अधिकृत नहीं थी तो संबंधित क्षेत्र का कोई विशेषज्ञ क्यों नहीं यूनिवर्सिटी ने अपने तथाकथित नायाब उत्पादन के लिए वहां तैनात किया? पूरे विश्व भर में आज भारत के साइंस एवं टेक्नोलॉजी मंत्रालय की किरकिरी हो रही है जबकि रही सही कसर प्रधानमंत्री के फोटोशूट ने स्टॉल लगाने वालों को बाहर खदेड़ कर पूरी करदी। मात्र एक व्यक्ति को चमकाने के लिए इतना बड़ा आयोजन आखिर किस आधार पर किया गया और क्या आयोजन कर्ताओं को इस बात की जानकारी नहीं थी या ली नहीं गई की विश्व स्तरीय ग्लोबल सबमिट में जो भी उपकरण लगाए जा रहे हैं उनका स्तर और वास्तविकता क्या है? सब कुछ जल्दबाजी में और कुछ एक व्यक्ति और संस्था को चमकाने के लिए किया गया , जिसका खामियाजा आज पूरा देश अंतरराष्ट्रीय बेज्जती के तौर पर झेल रहा है। पूरे मामले में गाज एक महिला कर्मचारी पर गिराई जाएगी जिसकी कीमत शायद उसे अपनी नौकरी गंवाने के तौर पर भी चुकानी पड़े जबकि इस पूरे प्रपंच के लिए यूनिवर्सिटी चलाने वाले वह लोग हैं जिन्होंने इस चोरी की टेक्नोलॉजी को अपना बता कर एक कम्युनिकेशन की प्रोफेसर को स्क्रिप्ट रटाकर सरकारी चैनल के आगे पेश कर दिया।

# श्रम संहिताएं: एक नई दृष्टि

**भारतीय श्रम कानूनों में सुधारों की मांग लंबे अरसे से चली आ रही थी। इस संबंध में समय–समय पर सीमित घोषणाएं की गईं और उन्हें टुकड़ों में लागू किया गया। सभी हितधारक इस बात पर सहमत थे कि देश को आगे ले जाने के लिए एक उत्पादक, समावेशी और सशक्त कार्यबल तथा कामकाज का उपयुक्त परिवेश जरूरी है। बदलाव की इच्छा सब में होने के बावजूद हर हितधारक की अपनी अलग–अलग उम्मीदें और चिंताएँ थीं। इन सुधारों का उद्देश्य श्रमिक कल्याण को मजबूती देना और अनुपालन को सरल बनाना है। श्रम नियमन के ढांचे को वर्तमान आर्थिक और सामाजिक वास्तविकताओं के अनुरूप बनाना तथा व्यवसाय सुगमता में वृद्धि के उपायों को मजबूत करना भी इनका उद्देश्य रहा है। इन सुधारों के तहत 29 महत्वपूर्ण कानूनों को वेतन, सामाजिक संरक्षा, व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा तथा औद्योगिक संबंध से जुड़ी चार संहिताओं में समेट दिया गया है।**

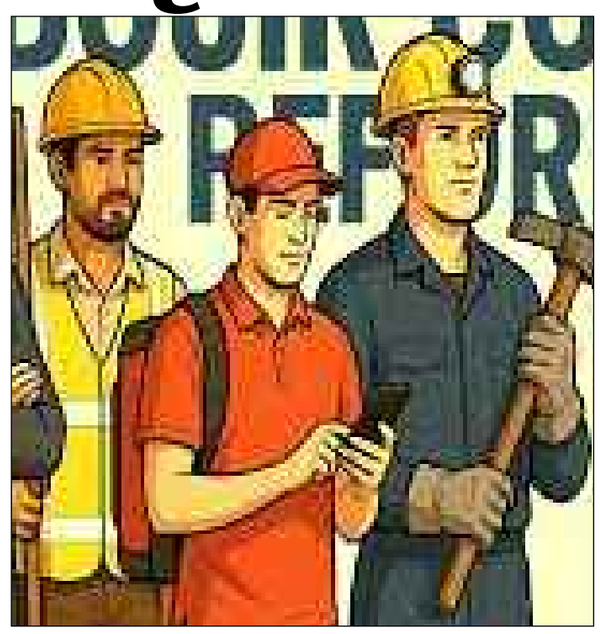

**प्रो बीजू वर्के, डॉ शैलजा त्रिपाठी**

चार श्रम संहिताओं की 21 नवंबर, 2025 को आधिकारिक घोषणा के साथ ही एक नए युग की शुरुआत हो गई है। यह घोषणा भारत की श्रम कानून व्यवस्था में एक बड़े ढांचागत सुधार का संकेत है। अनुमानों के अनुरूप ही इसकी सराहना और आलोचना, दोनों ही की गई है। बहुप्रतीक्षित श्रम कानून सुधारों ने कामगारों से संबंधित 29 से ज्यादा कानूनों को चार व्यापक संहिताओं में समेट दिया है।

भारतीय श्रम कानूनों में सुधारों की मांग लंबे अरसे से चली आ रही थी। इस संबंध में समय–समय पर सीमित घोषणाएं की गईं और उन्हें टुकड़ों में लागू किया गया। सभी हितधारक इस बात पर सहमत थे कि देश को आगे ले जाने के लिए एक उत्पादक, समावेशी और सशक्त कार्यबल तथा कामकाज का उपयुक्त परिवेश जरूरी है। बदलाव की इच्छा सब में होने के बावजूद हर हितधारक की अपनी अलग–अलग उम्मीदें और चिंताएँ थीं।

इन सुधारों का उद्देश्य श्रमिक कल्याण को मजबूती देना और अनुपालन को सरल बनाना है। श्रम नियमन के ढांचे को वर्तमान आर्थिक और सामाजिक वास्तविकताओं के अनुरूप बनाना तथा व्यवसाय सुगमता में वृद्धि के उपायों को मजबूत करना भी इनका उद्देश्य रहा है। इन सुधारों के तहत 29 महत्वपूर्ण कानूनों को वेतन, सामाजिक संरक्षा, व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा तथा औद्योगिक संबंध से जुड़ी चार संहिताओं में समेट दिया गया है। नई व्यवस्था का उद्देश्य श्रमिकों के कामकाज को औपचारिक रूप देना, कानून के दायरे से अब तक बाहर रहे अनौपचारिक, अस्थाई और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए काम करने वाले कामगारों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना, महिला अधिकारों का संवर्द्धन तथा सभी क्षेत्रों में नियोक्ता–श्रमिक संबंधों को आधुनिक बनाना है।

नई श्रम संहिताओं की नीचे वर्णित कुछ विशिष्टताएं उन्हें देश की मौजूदा और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप बनाती हैं–

सुदृढ़ीकरण और सामंजस्यः भारत के श्रम कानून ऐतिहासिक तौर पर विभाजित तथा परिभाषाओं की बहुलता और सख्त अनुपालन व्यवस्थाओं से ग्रसित थे। नियोक्ताओं को एकदूसरे से मिलती–जुलती अनेक नियामक जरूरतों का सामना करना पड़ता था।

श्रमिक और खास तौर से असंगठित कामगार आम तौर पर वैधानिक संरक्षण के दायरे से बाहर थे। श्रम संहिताओं ने अनुपालन की पिछली जटिल प्रणाली को समरूप परिभाषाओं, डिजिटल प्रक्रियाओं और विस्तारित दायरे से सरल बनाया है।

सम्मानजनक कार्य सिद्धांतों का अनुपालनः सुधारों में अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के सम्मानजनक कार्य सिद्धांतों को शामिल किया गया है। इन कार्य सिद्धांतों में उच्च गुणवत्ता वाले रोजगारों का सृजन, श्रमिक अधिकारों और समानता का संरक्षण तथा सामाजिक सुरक्षा और संवाद शामिल है।

अनुपालन का सरलीकरणः पुरानी प्रणाली में अत्यधिक कागजी कार्रवाई, निरीक्षणों पर अतिनिर्भरता और कमजोर अनुपालन जैसी खामियां थीं। नई संहिताओं में अनुपालन प्रणालियों को सुचारू बनाने के साथ ही उल्लंघनों को रोकने के लिए कठोर दंड की व्यवस्था की गई है।

संवहनीय विकास लक्ष्यों के साथ तालमेलः ये संहिताएं श्रमिक अधिकारों को मजबूत कर, सामाजिक सुरक्षा का विस्तार करते हुए तथा समावेशी विकास को बढ़ावा देकर संवहनीय विकास लक्ष्य (एसडीजी) 8 को आगे बढ़ाती हैं। इसके अलावा ये एसडीजी 1,3,5 और 10 को हासिल करने में भी सहायक हैं।

कार्य संबंधी भविष्य की जरूरतों के अनुरूपः इन संहिताओं में तेज आर्थिक और प्रौद्योगिकीय बदलावों को ध्यान में रखा गया है। इनमें विस्तारित परिभाषाओं, पुनर्प्रशिक्षण के प्रावधानों, व्यापक सामाजिक सुरक्षा कवरेज और वैकल्पिक कार्य व्यवस्थाओं के औपचारीकरण के जरिए भविष्य की कार्य संबंधी चिंताओं का निराकरण किया गया है।

**संहिताओं की मुख्य विशेषताएं और उनका प्रभाव:**

वेतन संहिता, 2019: यह संहिता पिछले चार कानूनों को एकीकृत करती है और मजदूरी की एक समान परिभाषा तथा राष्ट्रीय न्यूनतम मजदूरी की अवधारणा पेश करती है।

यह व्यापक और अधिक सुसंगत वेतन सुरक्षा सुनिश्चित करती है, समय पर भुगतान को अनिवार्य बनाती है, और समान पारिश्रमिक के नियम को सुदृढ़ करती है, जिससे आय सुरक्षा मजबूत होती है और विवादों में कमी आती है।

औद्योगिक संबंध संहिता, 2020: यह संहिता मजदूर संगठनों, औद्योगिक विवादों और स्थायी आदेशों को नियंत्रित करने वाले कानूनों को एक साथ लाती है। यह विवाद समाधान की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करती है, निश्चित समय–सीमा निर्धारित करती है और हड़ताल, कामबंदी तथा छंटनी से जुड़े नियमों को तर्कसंगत बनाती है। जहाँ यह नियोक्ताओं को परिचालन के लिए लचीलापन प्रदान करती है, वहीं सामूहिक सौदेबाजी और कानूनी समाधान के लिए सुरक्षा उपायों को भी बरकरार रखती है।

सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020: यह संहिता संगठित क्षेत्र से आगे जाकर सुरक्षा के दायरे का विस्तार करके एक बड़े बदलाव का संकेत देती है। इसके अंतर्गत गिग कामगारों, प्लेटफॉर्म के जरिये काम करने वाले श्रमिकों को भविष्य निधि, बीमा, मातृत्व लाभ और वृद्धावस्था सुरक्षा से संबंधित वैधानिक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ देने का प्रावधान किया गया है।

व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य स्थिति (ओएसएच) संहिता, 2020: यह ओएसएच संहिता सुरक्षा से संबंधित कई कानूनों को एकीकृत ढांचे में समाहित करती है। यह कार्यस्थल सुरक्षा मानदंडों का मानकीकरण करती है, नियामक निरीक्षण को मजबूत करती है और सभी क्षेत्रों में इसे लागू करने में सुधार करती है।

आगे की राह क्या है?

वी. वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान द्वारा नए श्रम कानूनों के बारे में नियोक्ताओं और कर्मचारियों के बीच हाल ही में किए गए एक अध्ययन से पता चलता है कि इन संहिताओं ने बेहतर भविष्य के प्रति सकारात्मक उम्मीद जगाई है। जहाँ 64 प्रतिशत श्रमिकों का मानना है कि संहिताओं के लागू होने से आय सुरक्षा बढ़ेगी, वहीं नियोक्ताओं ने भी निश्चित अवधि के रोजगार अनुबंधों (64 प्रतिशत) और कार्यस्थल सुरक्षा (73 प्रतिशत) को लेकर इसी तरह के भाव व्यक्त किए हैं। दोनों ही हितधारक इन संहिताओं को एक ऐसे साधन के रूप में देखते हैं जो दोनों पक्षों के अनुभवों को बेहतर बनाएगा।

चारों श्रम संहिताएं भारत के श्रम शासन में एक ऐतिहासिक परिवर्तन का प्रतीक हैं। पुराने पड़ चुके कानूनों को एकीकरण, सामाजिक सुरक्षा के दायरे का विस्तार और नियोक्ताओं के लचीलेपन तथा श्रमिक सुरक्षा के बीच संतुलन बनाकर, इन सुधारों का उद्देश्य एक अधिक कुशल, समावेशी और विकासोन्मुखी श्रम बाजार बनाना है। चूंकि ये संहिताएं कार्यान्वयन के शुरुआती चरण में हैं, इसलिए यह आवश्यक है कि सभी हितधारक इन्हें खुले मन से अपनाएं और विफलता से सीखकर तेजी से सुधार करने वाला दृष्टिकोण रखें। इनकी अंतिम सफलता इनके प्रभावी कार्यान्वयन, हितधारकों के बीच जागरूकता पैदा करने और संवैधानिक मूल्यों तथा अंतर्राष्ट्रीय श्रम मानकों की तरह निरंतर अमल में लाने पर निर्भर करेगी।

# धान–परती भूमि में सरसों की खेती से किसानों की अच्छी आय संभव

**डॉ. पी.के. राय**

छत्तीसगढ़ की परती भूमि अब सोना उगलने लगी है। धान का कटोरा कहे जाने वाले इस राज्य में किसानों का रुझान राई–सरसों की खेती की ओर तेजी से बढ़ रहा है। इससे न केवल किसानों को अतिरिक्त आमदनी मिलना शुरू हुई है, बल्कि देश को खाद्य तेल में आत्मनिर्भर बनाने की राह भी आसान होती नजर आ रही है। बता दें कि यहां के किसान धान कटाई के बाद खेतों को खाली छोड़ देते हैं, यानी रबी फसल की बुवाई नहीं करते हैं। इस कारण उनकी आर्थिक स्थिति ज्यादा अच्छी नहीं है। किसानों के इन हालातों को देखते हुए आईसीएआर–राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान, रायपुर ने ठोस रोडमैप के साथ प्रयास शुरू किए। परिणामस्वरूप परती भूमि पर अब सरसों की फसल लहलहाने लगी है। संस्थान के वैज्ञानिकों का कहना है कि राज्य की भूमि में खजाना छिपा हुआ है। यदि किसान धान कटाई के बाद देर से पकने वाली राई–सरसों किस्मों की बुवाई करें तो उनकी आर्थिक स्थिति में असम के किसानों के समान बदलाव देखने को मिल सकता है। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में कुल कृषि क्षेत्र 4.78 मिलियन हेक्टेयर है। इसमें केवल 23 प्रतिशत क्षेत्र सिंचित है। वार्षिक वर्षा लगभग 1190 मिमी है, जिसमें लगभग 88 प्रतिशत वर्षा मानसून (मध्य जून से सितंबर) के दौरान होती है। इस दौरान किसान धान का बड़े पैमाने पर उत्पादन लेते हैं। वहीं रबी में गेहूं और थोड़े क्षेत्रफल में दलहनों की बुवाई करते हैं, लेकिन राई–सरसों का उत्पादन हाशिए पर है। वैज्ञानिकों का कहना है कि परती भूमि, बस्तर के पठारी और उत्तरी पहाड़ी क्षेत्रों में राई–सरसों की खेती की अच्छी संभावनाएं हैं। उन्होंने बताया कि संस्थान का यह शुरुआती प्रयास है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं।

उन्होंने बताया कि धान कटाई के बाद कृषि भूमि परती रह जाती है, जिससे प्राकृतिक संसाधनों का पूर्ण उपयोग नहीं हो पाता और किसानों की आय बढ़ाने के अवसर सीमित हो जाते हैं। राई–सरसों की फसल परती भूमि को उत्पादक बनाने में मददगार बन सकती है।

**परती भूमि की चुनौती**

छत्तीसगढ़ में लगभग 3.9 मिलियन हेक्टेयर में धान की खेती होती है, जबकि धान उत्पादन लगभग 9.8 मिलियन टन है। खरीफ में अधिक वर्षा और चिकनी मिट्टी के कारण धान का उत्पादन भरपूर होता है, लेकिन रबी में यही खेती सीमित रह जाती है। धान के कुल क्षेत्र का लगभग 32 प्रतिशत भाग ही सिंचित है, जिससे कटाई के बाद पठारी और पहाड़ी क्षेत्रों के लगभग 40ञ्60 प्रतिशत खेत परती रह जाते हैं। इस स्थिति में राई–सरसों का बुवाई क्षेत्र बढ़ाया जा सकता है।

**31 हजार हेक्टेयर में खेती**

संस्थान के संयुक्त निदेशक डॉ. पंकज शर्मा ने बताया कि यहां की जलवायु रबी तिलहन के लिए अनुकूल है, बशर्ते खरीफ के बाद मृदा में नमी का संरक्षण और उचित कृषि तकनीकों का प्रभावी उपयोग किया जाए। क्योंकि राई–सरसों को कम पानी में उगाया जा सकता है और यह कम समय में पक जाती है। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में महज 31 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सरसों की खेती होती है। करीब 17,260 टन उत्पादन और उत्पादकता 563 किग्रा प्रति हेक्टेयर है, जिसे वैज्ञानिक तकनीकों के समावेश से और बढ़ाया जा सकता है।

**20 प्रतिशत ज्यादा उपज**

उन्होंने बताया कि अनुसंधान परीक्षण के आधार पर धान के परती खेतों में राई–सरसों की अच्छी पैदावार मिलती है। इस फसल की लगभग 20 प्रतिशत अधिक पैदावार प्राप्त हुई है। प्रदर्शन के दौरान सरसों की किस्म डीआरएमआर–150–35 ने उत्साहजनक परिणाम दिए। यह किस्म 95ञ्110 दिनों में पक जाती है, जिससे धान की कटाई के बाद मध्य नवंबर से दिसंबर के प्रथम सप्ताह तक इसकी बुवाई सहजता से की जा सकती है। इसके अलावा किसान छत्तीसगढ़ सरसों, टीबीएम, एनआरसीएचबी–101 और बीबीएम–1 जैसी किस्मों का उपयोग कर सकते हैं।

**किसानों को आजीविका सुरक्षा**

धान परती क्षेत्रों में राई–सरसों को शामिल करने से किसानों की आय और आजीविका सुरक्षा में उल्लेखनीय सुधार संभव है। वर्षा आधारित धान पारिस्थितिकी तंत्र में किए गए प्रदर्शनों से यह सिद्ध हुआ है कि शून्य जुताई के तहत राई–सरसों से 8ञ्14 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक उपज प्राप्त की जा सकती है। इससे प्रति हेक्टेयर 27 हजार रुपये से अधिक का शुद्ध लाभ प्राप्त होता है। साथ ही सरसों के साथ मधुमक्खी पालन करके किसान अपनी आमदनी को और भी बढ़ा सकते हैं। छत्तीसगढ़ में राई–सरसों की खेती किसानों को त्रिस्तरीय लाभ दे सकती है, जिसमें आय वृद्धि, परती भूमि का उपयोग और खाद्य तेल उत्पादन में बढ़ोतरी शामिल है। इस फसल से राज्य के कृषि परिदृश्य को बदला जा सकता है। इस फसल पर अनुसंधान के काफी उत्साहजनक परिणाम सामने आए हैं।

# बॉर्डर 2 के बाद फिर गदर मचाएंगे सनी देओल, लाहौर 1947 की रिलीज डेट का हुआ ऐलान

बॉलीवुड के एक्शन किंग सनी देओल एक बार फिर बड़े पर्दे पर धमाल मचाने आ रहे हैं. उनकी अपकमिंग फिल्म लाहौर 1947 की रिलीज डेट आधिकारिक तौर पर घोषित कर दी गई है. आमिर खान प्रोडक्शंस ने इसकी घोषणा की फिल्म 13 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. ये तारीख स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) के हफ्ते में आती है, जो फिल्म की थीम को और भी खास बनाती है. लाहौर 1947 एक पीरियड ड्रामा है, जो 1947 के भारत–पाकिस्तान विभाजन की पृष्ठभूमि पर आधारित है. फिल्म में सनी देओल मुख्य भूमिका में हैं, जबकि प्रीति जिंटा (7 साल बाद बॉलीवुड में वापसी), शबाना आजमी, करण देओल, मिथुन चक्रवर्ती, अली फजल और अभिमन्यु सिंह जैसे दिग्गज कलाकार नजर आएंगे. निर्देशन राजकुमार संतोषी ने किया है, जो सनी देओल के साथ घायल, दामिनी, गदर जैसी हिट फिल्में बना चुके हैं. ये पहली बार है जब सनी देओल, राजकुमार संतोषी और आमिर खान एक साथ काम कर रहे हैं. फिल्म का संगीत ए. आर. रहमान ने कंपोज किया है और गाने जावेद अख्तर के लिखे हैं. शूटिंग फरवरी 2024 में शुरू हुई और अक्टूबर 2025 में पूरी हुई. पहले ये फिल्म 26 जनवरी 2025 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन पोस्ट–प्रोडक्शन में देरी के कारण अब अगस्त 2026 में आ रही है.

## पवन कल्याण की फिल्म उस्ताद भगत सिंह की रिलीज डेट से उठा पर्दा

इंतजार आखिरकार खत्म हुआ। पावरस्टार पवन कल्याण स्टारर और कल्ट कैप्टन हरीश शंकर के डायरेक्शन में बनी, बहुप्रतीक्षित फिल्म उस्ताद भगत सिंह, 26 मार्च, 2026 को दुनिया भर के थिएटर में रिलीज होने वाली है। फिल्म अभी पोस्ट प्रोडक्शन में है, और फैंस इसके रिलीज होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। पवन कल्याण की एनर्जी पहले सिंगल, देखेंगे साला में ही साफ़ दिख रही है, जिसमें उनके जबरदस्त एक्शन मूव्स दिख रहे हैं। हरीश शंकर उस्ताद भगत सिंह के साथ अपनी पिछली ब्लॉकबस्टर गब्बर सिंह का जादू फिर से जगाने के लिए तैयार हैं। यह फिल्म पावरस्टार फैंस और सभी उम्र के दर्शकों के लिए एक ट्रीट होने का वादा करती है। फिल्म में टैलेंटेड कास्ट है, जिसमें श्रीलीला, राशि खन्ना, आर पार्थीबन, केएस रवि कुमार, एलबी श्रीराम, राव रमेश, रामकी और केजीएफ अविनाश शामिल हैं। टेक्निकल क्रूमें म्यूजिक डायरेक्टर के तौर पर देवी श्री प्रसाद, एडिटर के तौर पर कार्थिका श्रीनिवास और प्रोडक्शन डिजाइनर के तौर पर आनंद साईं शामिल हैं। अपने पावरफुल एंटरटेनमेंट और स्टार्स से भरी कास्ट के साथ, उस्ताद भगत सिंह के ब्लॉकबस्टर हिट होने की उम्मीद है।

# हार्दिक पांड्या टी–20 क्रिकेट में 6,000+ रन और 200+ विकेट वाले पहले भारतीय ऑलराउंडर बने

नईदिल्ली,भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने टी–20 विश्व कप 2026 में नीदरलैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ मैच के दौरान अहम उपलब्धि हासिल की। दरअसल, उन्होंने नीदरलैंड के खिलाफ मैच में 30 रन बनाए और अपने टी–20 क्रिकेट करियर में 6,000 रन पूरे किए। वह टी–20 क्रिकेट में 6,000+ रन बनाने के साथ–साथ 200+ विकेट लेने वाले पहले भारतीय ऑलराउंडर बने। आइए उनके टी–20 करियर पर एक नजर डालते हैं।

पांड्या ने अब तक 323 टी–20 मैच खेले हैं, जिसकी 279 पारियों में उन्होंने 6,008 रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने 91 रन के सर्वोच्च स्कोर के साथ 25 अर्धशतक लगाए। दूसरी तरफ गेंदबाजी में उन्होंने 262 पारियों में 220 से अधिक विकेट लिए हैं। इस बीच उन्होंने 1 पारी में 5 विकेट हॉल भी लिया। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 36 रन देते हुए 5 विकेट लेना रहा।

पांड्या टी–20 अंतरराष्ट्रीय में 2,000+ रन और 100+ विकेट ले चुके हैं। अब तक इस खिलाड़ी ने 133 मुकाबले खेले हैं। इसकी 104 पारियों में लगभग 30 की औसत के साथ 2,100 से अधिक रन बनाए हैं। उनके बल्ले से 8 अर्धशतक निकले हैं। गेंदबाजी में पांड्या ने 120 पारियों में लगभग 26 की औसत से 110 विकेट लिए हैं। उन्होंने 3 बार 4 विकेट हॉल अपने नाम किया है। उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 4/16 का रहा है।

# बॉक्स ऑफिस पर ओ रोमियो को लगा झटका, चौथे दिन इतनी नीचे आ गिरी कमाई

शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी की थ्रिलर–एक्शन फिल्म ओ रोमियो को पहले दिन शानदार ओपनिंग मिली थी। कमाई का करिश्माई सफर वीकेंड पर भी जारी रहा, लेकिन कारोबारी दिनों में कलेक्शन में भारी गिरावट देखने को मिली है। विशाल भारद्वाज द्वारा निर्देशित ओ रोमियो रिलीज के चौथे दिन में आकर भी 50 करोड़ का आंकड़ा पार करने से चूक गई है। दूसरी ओर, 14 फरवरी को रिलीज तू या मैं की कमाई का गणित पूरी तरह से बिगड़ चुका है।

सैकनिल्क के मुताबिक, शाहिद की फिल्म ओ रोमियो मंडे टेस्ट को पार करने में फेल साबित होती दिखी है, क्योंकि इसने कुल 4.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। फिल्म ने दूसरे दिन 12.65 करोड़ और तीसरे दिन 9 करोड़ कमाए थे, लेकिन सोमवार को आंकड़ों में तगड़ी गिरावट आई है। 4 दिनों में इसने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कुल 34.90 करोड़ रुपये कमाए हैं। चूंकि फिल्म का बजट 130 करोड़ है जिसे पार करना फिलहाल मुश्किल लग रहा है। शनाया कपूर और आदर्श गौरव की फिल्म तू या मैं बॉक्स ऑफिस पर दम तोड़ती दिखी है। सैकनिल्क के मुताबिक, इसने रिलीज के चौथे दिन, यानी सोमवार को सिर्फ 35 लाख रुपये कमाए हैं जिसके बाद कुल कमाई 3.2 करोड़ रुपये हुई है। हैरानी की बात यह है कि फ्लॉप फिल्म आंखों की गुस्ताखियां से डेब्यू करने वालीं शनाया की दूसरी फिल्म भी डिजास्टर बन चुकी है।

# टी–20 विश्व कप 2026: अभिषेक शर्मा लगातार तीसरी पारी में शून्य पर हुए आउट

नईदिल्ली,। टी–20 विश्व कप 2026 में भारतीय क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा बेहद खराब फॉर्म में चल रहे हैं। वह नीदरलैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ मैच में भी बिना खाता खोले आउट हुए। दिलचस्प रूप से वह अपनी लगातार तीसरी पारी में शून्य पर आउट हुए हैं। वह टी–20 विश्व कप में अपना खाता भी नहीं खोल सके हैं। वह इससे पहले यूएसए और पाकिस्तान के खिलाफ भी शून्य पर आउट हुए थे।

भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक ने एक अनचाहा रिकॉर्ड अपने नाम किया। अभिषेक अब टी–20 विश्व कप में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा पारियों में शून्य पर आउट होने वाले भारतीय बल्लेबाज बने। उन्होंने इस मामले में आशीष नेहरा (3 बार) की बराबरी की। उनके बाद इस सूची में शिवम दुबे, गौतम गंभीर, रविंद्र जडेजा, विराट कोहली और अक्षर पटेल 2–2 पारियों में बिना खाता खोले आउट हुए हैं। अभिषेक इस साल 5वीं बार शून्य पर आउट हुए। वह एक कैलेंडर वर्ष में संयुक्त रूप से सर्वाधिक बार शून्य पर आउट होने वाले भारतीय बल्लेबाज बने। उन्होंने संजू सैमसन के रिकॉर्ड की बराबरी की। बता दें कि सैमसन साल 2024 में 5 बार बिना खाता खोले आउट हुए थे। अभिषेक ने 2026 में अब तक 8 पारियों में 26.00 की औसत और 224.69 की स्ट्राइक रेट के साथ 182 रन बनाए हैं।

## एक नजर

### परीक्षाओं के सफल संपादन को परीक्षा केंद्र में रहेगी धारा–163 प्रभावी

**जयन्त प्रतिनिधि।**

रूद्रप्रयाग : पूर्व मध्यमा द्वितीय वर्ष (हाईस्कूल) एवं उत्तर मध्यमा द्वितीय वर्ष (इंटरमीडिएट) की परिषदीय परीक्षाओं को सफलता पूर्वक संपादित कराने के उद्देश्य से तहसील रुद्रप्रयाग के अंतर्गत परीक्षा केंद्र में धारा-163 प्रभावी रहेगी। उप जिला मजिस्ट्रेट रुद्रप्रयाग द्वारा इस बाबत आदेश जारी किया गया है।

उप जिला मजिस्ट्रेट सोहन सिंह सैनी ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद के अंतर्गत एक परीक्षा केंद्र पर पूर्व मध्यमा द्वितीय वर्ष (हाईस्कूल) एवं उत्तर मध्यमा द्वितीय वर्ष (इंटरमीडिएट) की परिषदीय परीक्षाओं का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि परीक्षाओं को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सफलता पूर्वक संपादित करने के लिए परीक्षा केंद्र पर धारा-163 प्रभावी रहेगी। बताया कि उक्त परीक्षाएं 27 फरवरी, 2026 तक आयोजित होंगी तथा परीक्षा की अवधि में परीक्षा केंद्र के 100 गज की परिधि में पांच से उससे अधिक व्यक्तियों के एक साथ एकत्रित होने पर निषिद्ध किया गया है। इसके अलावा परीक्षा केंद्र के निकट बिना अनुमति आग्नेयास्त्र, लाठी, डंडा, चाकू, हॉकी, स्टिक अथवा कोई तेज धार वाला शस्त्र प्रतिबंधित रहेगा। उन्होंने बताया कि परीक्षा अवधि के दौरान उक्त नियमों का सख्ती से पालन करवाया जाएगा तथा उल्लंघन करने पर कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

### नए सत्र में केंद्रीय विद्यालय को मिलेगा अपना भवन

नई टिहरी। केंद्रीय विद्यालय नई टिहरी को नए शिक्षा सत्र अप्रैल 2026 में अपना नया भवन मिल जाएगा। जी ब्लॉक आंचल डेयरी के समीप विद्यालय भवनों का निर्माण अंतिम चरण में पहुंच गया है। नया भवन बनने के बाद विद्यालय में अधिक छात्र–छात्राओं को प्रवेश लेने का अवसर मिलेगा। प्राथमिक स्तर पर बाल वाटिका भी संचालित होगा। शिक्षकों और कर्मचारियों को आवासीय सुविधा का लाभ मिलेगा। जिला मुख्यालय नई टिहरी में स्थित केंद्रीय विद्यालय वर्षों से उधार के भवन पर संचालित किया जा रहा था। पर्याप्त कक्षा–कक्ष न होने से अब तक विद्यालय में पढ़ रहे छात्रों को पूरी सुविधाएं नहीं मिल पा रही थी। स्थान की कमी से कम छात्रों को प्रवेश देने की मजबूरी बनी हुई थी। जी ब्लॉक आंचल डेयरी के समीप केंद्रीय विद्यालय का करीब 37 करोड़ की लागत से निर्माण किया जा रहा है। भवन निर्माण कार्य अब अंतिम चरण में है। नया भवन बनने से विद्यालय में हर क्लास में कंप्यूटर लगाएंगे जाएगे।बड़ी प्रयोगशाला बनाई जा रही है। वर्तमान में विद्यालय में लगभग छह सौ छात्र–छात्राएं अध्ययनरत है। नया भवन बनने के बाद लगभग दो सौ छात्र–छात्राएं अधिक संख्या में प्रवेश ले सकते है। केंद्रीय विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रदीप चंद्र थपलियाल का कहना है यदि कार्यदायी संस्था आगामी मार्च तक कार्य पूरा कर भवन हैंडओवर कर देती है तो नए शिक्षा सत्र अप्रैल से विद्यालय का संचालन विधिवत रूप से नए भवन पर कराया जा सकता है।

### जिलास्तरीय पाक कला प्रतियोगिता में देवप्रयाग प्रथम

नई टिहरी। प्रधानमंत्री पोषण एवं शक्ति निर्माण योजना के तहत स्कूलों में कार्यरत भोजन माताओं की जिला स्तरीय पाक कला प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में गढ़भोज को शामिल किया गया। प्रतियोगिता में देवप्रयाग प्रथम, थौलधार द्वितीय और चंबा तृतीय स्थान पर रहे। राजकीय होटल मैनेजमेंट एवं कैटरिंग टेक्नॉलाजी संस्थान नई टिहरी में आयोजित पाक कला प्रतियोगिता में ब्लॉक स्तर पर प्रथम और द्वितीय स्थान पर रही भोजन माताओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पालिकाध्यक्ष मोहन सिंह रावत ने कहा कि भोजन माता की बड़ी जिम्मेदारी होती है। डीईओ (बेसिक) पूनम चौहान ने कहा कि मध्याह्न भोजन में पोषण युक्त और स्वास्थ्य वर्धक स्थानीय खाद्य पदार्थो को भी शामिल किया जाना चाहिए। संस्थान के शैक्षिक प्रभारी एवं पोषण विशेषज्ञ मुकेश बड़थ्वाल ने भोज्य पदार्थों में पाए जाने वाले कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन आदि की जानकारी दी। वरिष्ठ खाद्य संरक्षा अधिकारी शारदा शर्मा निर्णायक रही। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रही देवप्रयाग ब्लॉक की भोजन माता विजय लक्ष्मी और कमला देवी को तीन हजार रुपये, द्वितीय रही थौलधार की प्रमिला देवी और प्रमिला देवी को दो हजार और तृतीय स्थान पर रही चंबा ब्लॉक की पुलमा देवी और गीता देवी को एक हजार रुपये का पुरस्कार दिया गया।

# पटेल मार्ग पर मैक्स वाहनों का कब्जा, जन परेशान

## शहर में मैक्स वाहनों के लिए पर्याप्त पार्किंग स्थल नहीं होने से बढ़ी समस्या

कोटद्वार के पटेल मार्ग पर सड़क किनारे बेतरतीब तरीके से खड़े मैक्स वाहन

**जयन्त प्रतिनिधि।**

कोटद्वार : कोटद्वार शहर में पर्किंग स्थल नहीं होने के कारण समस्याएं बढ़ती जा रही है। हालत यह है कि मैक्स वाहनों के लिए पर्याप्त पार्किंग नहीं होने के कारण पटेल मार्ग पर अव्यवस्थाओं का अंबार बना हुआ है। सड़क पर खड़े मैक्स वाहनों के कारण दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है।

वर्तमान में शहर में करीब एक हजार मैक्स वाहन संचालित हो रहे हैं। प्रतिवर्ष इन वाहनों की संख्या में इजाफा भी देखने को मिल रहा है। लगातार बढ़ रही मैक्स वाहनों की संख्या यातायात के लिए एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। दरअसल, शहर में कहीं भी इन वाहनों को खड़ा करने के लिए पार्किंग स्थल तक नहीं बनाया गया। ऐसे में वाहन चालक बीच सड़क पर ही वाहनों को खड़ा कर सवारियां भरने लगते हैं। पटेल मार्ग व स्टेशन रोड पर सबसे बुरी स्थिति बनी रहती है। सड़क पर खड़े इन वाहनों के कारण पूरे दिन जाम की स्थिति देखने को मिलती है। पूर्व में शहरवासी कई बार प्रशासन को समस्या से अवगत करवा चुके हैं। लेकिन, अब तक इस ओर ध्यान नहीं दिया गया।

**लापरवाह बना सरकारी सिस्टम**

पार्किंग स्थान व स्थाई मैक्स अड्डा नहीं होने से मैक्स वाहनों को सड़क पर ही वाहन खड़ा कर सवारियां भरनी पड़ती है। ऐसे में कई बार दुर्घटनाओं का भी अंदेशा बना रहता है। कई बार मैक्स वाहन संचालक वाहन की रफ्तार धीमी कर सवारियों को बैठाते हुए आसानी से देखे जा सकते हैं। बावजूद इसके सरकारी सिस्टम लापरवाह बना हुआ है।

# पूर्व सैनिकों और वीर नारियों का किया सम्मान

**जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी :** विकासखंड कल्जीखाल के ग्राम भेंटी में गुरूवार को सैनिक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुन्दर लाल मुयाल एवं पूर्व मंत्री डॉ. हरक सिंह रावत ने पूर्व सैनिक, वीर नारियों, राज्य आंदोलनकारियों सहित 200 लोगों को सम्मानित किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. हरक सिंह रावत ने कहा कि सैनिकों के त्याग और बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। उन्होंने शहीद परिवारों और पूर्व सैनिकों के योगदान को राष्ट्र की अमूल्य धरोहर बताया। उन्होंने गणेश सिंह गरीब को सम्मान करते कहा कि मैं चकबंदी का प्रबल समर्थक रहा हूं। बंजर खेतों का पुनः आबाद करना चकबंदी ही एक मात्र विकल्प है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि जिलाध्यक्ष कांग्रेस विनोद नेगी, कर्नल रामरतन नेगी, वरिष्ठ कांग्रेसी बलवंत सिंह नेगी, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कल्जीखाल अध्यक्ष रघुनाथ सिंह रावत, चकबंदी के प्रणेता गणेश सिंह ग़रीब, महिला कांग्रेस नेत्री एवं क्षेत्र पंचायत सदस्य यशोदा नेगी, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष श्रीमती मधु देवी, अजय पटवाल आदि मौजूद थे।

### 70 चालक–परिचालकों ने कराई स्वास्थ्य जांच

नई टिहरी। सड़क सुरक्षा माह 2026 के समापन पर परिवहन विभाग और स्वास्थ्य विभाग की ओर से चंबा टैक्सी यूनियन परिसर में लगाए गए शिविर में वाहन चालकों और परिचालकों के स्वास्थ्य की जांच की गई। इसमें चालकों का बीपी और नेत्र परीक्षण आदि की जांच की गई। सड़क सुरक्षा माह के तहत परिवहन विभाग की ओर से टैक्सी यूनियन परिसर चंबा में वाहन चालकों के स्वास्थ्य जांच के लिए शिविर लगाया गया।


## सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि योगेश, नरेश ने श्रीमती उमा देवी गर्ग से ग्राम सिताबपुर, पट्टी सुखरौ, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल के खतौनी खाता सं0 64 के खेत सं0 57ख मध्ये 107 वर्गमीटर भूमि याने 0.010 है0 भूमि पंजीकृत विक्रय पत्र के द्वारा क्रय की है, जिसका बही सं0 1, जिल्द 766 पृष्ठ 69 से 88 क्रमांक 1081 दिनांक 29-03-2016 को सब रजिस्ट्रार कार्यालय कोटद्वार में पंजीकृत है। जो कहीं खो गयी है तथा काफी ढूढने पर भी नहीं मिल पा रही है।

**योगेश कुमार पुत्र गोकुलचन्द, निवासी भगवती इन्क्लेव, नजीबाबाद, कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।**

(1585/21)


# वार्षिकोत्सव में दिखी सांस्कृतिक छटा

**जयन्त प्रतिनिधि।**

कोटद्वार : नारायण पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया। बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दौरान बच्चों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए भी प्रेरित किया गया।

आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ महापौर शैलेंद्र सिंह रावत व विद्यालय की प्रबंधक उषा रावत ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। बच्चों ने स्वागत गीत व वंदना की प्रस्तुति दी। महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने बच्चों को अपने जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कहा कि जीवन में मेहनत करने वाले विद्यार्थी ही सफलता प्राप्त करते है। कहा कि बच्चे देश का भविष्य है, बच्चों को परिश्रम से आगे बढ़ना होगा, ताकि उनका भविष्य उज्जवल हो सके। तत्पश्चात विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने गढ़वाली, कुमाऊंनी, पंजाबी व राजस्थानी गीतों पर शानदार नृत्य प्रस्तुत कर लोगों का खूब मनोरंजन किया। विद्यालय के छात्र दिव्यांश पाल ने शिव तांडव नृत्य कर खूब तालियां बटोरी। प्रधानाचार्य दीपिका नेगी ने विद्यालय की वर्षभर की गतिविधियों की रिपोर्ट साझा की।

विद्यालय की तरफ से शिक्षा के क्षेत्र सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर अजय पाल सिंह रावत, कांति नेगी, पार्षद ज्योति सिंह, किरन काला, ज्योति रावत, निर्मला रावत, रूचि, सीमा ढौंडियाल मौजूद रहे।

# गौमान सिंह भंडारी की याद में स्मारक का हुआ लोकार्पण



पदमपुर में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे महापौर का स्वागत करते लोगे

**जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार :** स्वतंत्रता संग्राम सेनानी कैप्टन स्व. गौमान सिंह भंडारी की 113वीं जयंती पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान गौमान सिंह भंडारी की याद में स्मारक का लोकार्पण किया गया। साथ ही लोगों ने समाज के लिए दिए गए गौमान सिंह भंडारी के योगदान को भी याद किया। आयोजित कार्यक्रम में महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने स्मारक का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि कैप्टन गौमान सिंह भंडारी का जीवन अनुशासन और वीरता की मिशाल है। वर्ष-1955 में उन्होंने कोटद्वार पदमपुर में अपना निवास स्थान बनाया था। कहा कि स्व. गौमान सिंह भंडारी ने सदैव सामाजिक हितों को लेकर कार्य किया। उन्होंने अपनी पेंशन का उपयोग गरीब परिवार के बच्चें को शिक्षित बनाने के लिए किया। उनका पूरा जीवन राष्ट्र व समाज सेवा के लिए समर्पित रहा। वह 1970 में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संगठन के उपाध्यक्ष भी रहे। साथ ही वह ग्राम पंचायत प्रतिनिधि भी रहे। 15 अगस्त 1972 को 25वीं स्वतंत्रता दिवस की रजत जयंती पर पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी व तत्कालीन मुख्यमंत्री ने उन्हें ताम्रपत्र देकर सम्मानित किया था। कहा कि आज युवाओं को महापुरुषों के बताए मार्ग पर चलकर समाज सेवा में अपना योगदान देना चाहिए। इस मौके पर लीला भंडारी नेगी, संजय द्विवेदी, हर्षमोहन सिंह नेगी, सुधीर भंडारी, राजेश भंडारी, संजय भंडारी, ऊषा भंडारी, पूर्ण सिंह भंडारी, किशोर सिंह, जीत सिंह रावत, मदन सिंह नेगी आदि मौजूद रहे।


## सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने हाईस्कूल मुख्य परीक्षा सन् 2022 अनुक्रमांक 22058575 से विद्या निकेतन इंटर कॉलेज पदमपुर कोटद्वार, पौड़ी गढ़वाल से उत्तीर्ण की। जिसकी अंकतालिका, प्रमाण पत्र वास्तव में खो गये है।

**सुजल कुमार पुत्र श्री पंकज कुमार निवासी ग्राम कोला, पोस्ट कोलाखाल, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।**

(1583/21)

## सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि योगेश, नरेश एवं मुकेश ने श्रीमती उमा देवी गर्ग से ग्राम सिताबपुर, पट्टी सुखरौ, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल के खतौनी खाता सं0 64 के खेत सं0 57ख मध्ये 104 वर्गमीटर भूमि याने 0.010 है0 भूमि पंजीकृत विक्रय पत्र के द्वारा क्रय की है, जिसका बही सं0 1, जिल्द 1047 पृष्ठ 35 से 64 क्रमांक 4047 दिनांक 21-12-2017 को सब रजिस्ट्रार कार्यालय कोटद्वार में पंजीकृत है। जो कहीं खो गयी है तथा काफी ढूढने पर भी नहीं मिल पा रही है।

**योगेश कुमार पुत्र गोकुलचन्द, निवासी भगवती इन्क्लेव, नजीबाबाद, कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।**

(1584/21)


# एलिवेटेड मार्ग नहीं बनने तक जारी रहेगा आंदोलन



कोटद्वार में चिल्लरखाल चैक पोस्ट के समीप धरना देते स्थानीय लोग

**जयन्त प्रतिनिधि।**

कोटद्वार : भले ही उच्च न्यायालय ने लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग को हरी झंडी दे दी हो। लेकिन, स्थानीय लोगों का आंदोलन मार्ग को एलिवेटेड बनाने के लिए अब भी जारी है। लोगों ने मार्ग एलिवेटेड नहीं बनने तक आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी है।

लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण के लिए स्थानीय जनता पिछले कई माह से आंदोलन कर रहे हैं। 12 फरवरी को न्यायालय ने मार्ग निर्माण की स्वीकृति दी। लेकिन, इसके बाद भी लोग मार्ग को एलिवेटेड बनाने के लिए आंदोलन पर डटे हुए हैं। गुरुवार को चिल्लरखाल वन चौकी के समीप लोगों ने धरना दिया। वक्ताओं ने कहा कि न्यायालय ने 12 फरवरी को मार्ग निर्माण की स्वीकृति दी। लेकिन, स्थानीय जनता सरकार से मांग करती है कि मार्ग को एलिवेटेड बनाया जाएं, जिससे वर्ष भर इस मार्ग पर यातायात चलता रहे। साथ ही मार्ग पर व्यवसायिक वाहनों का संचालन हो। कहा कि यदि केवल मार्ग पर डामरीकरण ही होता है तो इसका जनता को कोई अधिक लाभ नहीं मिलेगा। मार्ग के बेहतर बनने से सिडकुल के व्यापार को गति मिलेगी। साथ ही इससे कण्वाश्रम का भी विकास होगा। इस मौके पर प्रवीण थापा, मदन सिंह नेगी, रविंद्र सौंद, देवेंद्र रावत, गोविंद काला, हरेंद्र भंडारी, सुभाष त्यागी, राकेश बड़थ्वाल आदि मौजूद रहे।

### वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के नाम से बनाया फर्जी अकाउंट

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के नाम से फेसबुक पर एक फर्जी अकाउंट बनाने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।साइबर सेल प्रभारी कमलेश शर्मा की तरफ से दर्ज किए गए मुकदमें में कहा गया है कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा एसएसपी पौड़ी के नाम से फेसबुक पर फर्जी अकाउंट बनाया गया है। उक्त अकाउंट की प्रोफाईल पर एसएसपी की फोटो अपलोड की गयी है। कहा गया है कि इस अकाउंट से कुछ संदिग्ध गतिविधियां शेयर कर पौड़ी पुलिस की छवि को धूमिल करने की पूरी कोशिश की जा सकती है।

### वैज्ञानिक तकनीकी से उत्पादन के लिए काश्तकार किए प्रेरित

नई टिहरी। वानिकी महाविद्यालय रानीचौरी में काश्तकारों की दो दिवसीय शीतोष्ण फल उत्पादन प्रशिक्षण कार्यशाला शुरु हुई। वैज्ञानिकों ने काश्तकारों को फल और फसल उत्पादन के लिए वैज्ञानिक तकनीकी अपनाने के लिए प्रेरित किया। वानिकी महाविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी डॉ आलोक येवले ने प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ किया। कहा कि पहाड़ी क्षेत्रों में बागवानी की बेहतर संभावना है लेकिन इसके लिए काश्तकारों को प्रशिक्षित होना जरूरी है।


**उत्तर रेलवे**

**ई–नीलामी**

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक / कोचिंग, (ए.सी.ओ) उत्तर रेलवे, मुरादाबाद मंडल के द्वारा देहरादून स्टेशन पर पे एंड यूज़ एवं योग नगरी ऋषिकेश रेलवे स्टेशन पर कैटरिंग स्टाल (स्पे0 माइनर यूनिट्स) के कार्य को IREPS के माध्यम से ठेके पर देने हेतु ई–बोलियाँ www.ireps.gov.in पर दिनांक 12.03.2026 को आमंत्रित की जाती है, जिसकी विस्तृत जानकारी, नियम व शर्तें www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

575/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ


# महाविद्यालय में लगाया जाएं वाई-फाई





प्राचार्य को ज्ञापन देते छात्र संगठन के सदस्य

**जयन्त प्रतिनिधि।**

कोटद्वार :` अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने महाविद्याल में वाई-फाई लगवाने सहित विभिन्न समस्याओं के निराकरण की मांग की है। कहा कि लगातार शिकायत के बाद भी महाविद्यालय समस्याओं को लेकर लापरवाह बना हुआ है।

इस संबंध में महासंघ अध्यक्ष अमित काला व छात्र संघ अध्यक्ष ने प्राचार्य डा. डीएस नेगी को ज्ञापन दिया। बताया कि छात्र संगठन पिछले कई वर्षों से समस्याओं के निराकरण की मांग उठा रहे हैं। लेकिन, आज तक समस्याओं को लेकर कोई गंभीरता नहीं दिखाई गई। कहा कि महाविद्यालय में छात्रों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ने के लिए परिसर में वाई-फाई लगाया जाना चाहिए। महाविद्यालय को स्वच्छ बनाने के लिए जगह-जगह कूड़ेदान की व्यवस्था की जानी चाहिए। इस दौरान छात्रों ने पुस्तकालय के फर्नीचर की मरम्मत करवाने, मार्डन लाइब्रेरी बनवाने, खेल मैदान को बेहतर रूप देने, महाविद्यालय में आईडी कार्ड जांच के लिए स्टाफ तैनात करने की मांग उठाई। कहा कि छात्रों की समस्याओं के निराकरण के लिए महाविद्यालय को गंभीरता से कार्य करना चाहिए। यदि सात दिन के भीतर धरातल पर कार्य प्रारंभ नहीं हुआ तो छात्र आंदोलन को मजबूर होंगे। इस मौके पर अभाविप जिला संयोजक अनिकेत, रोहन राणा, रामगोपाल सिंह, निशांत अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

# अधिक से अधिक सरकारी योजनाओं का लाभ लें ग्रामीण

दुगड्डा में आयोजित बहुद्देशीय शिविर में ग्रामीणों की समस्या सुनते अधिकारी

**जयन्त प्रतिनिधि:**

कोटद्वार : ग्रामीणों की समस्याओं के निराकरण के लिए जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार कार्यक्रम के तहत विकासखंड दुगड्डा की न्याय पंचायत सिमलना में बहुद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान अधिकारियों ने ग्रामीणों से अधिक से अधिक सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की।

उपजिलाधिकारी संदीप कुमार की अध्यक्षता में शिविर का आयोजन किया गया। उपजिलाधिकारी ने ग्रामीणों से अपील की कि वे इन शिविरों में अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग कर सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत ग्रामीणों की समस्याओं का एक ही स्थान पर समाधान किया जा रहा है। शिविर में स्वास्थ्य विभाग, समाज कल्याण विभाग, बाल विकास विभाग, वन, राजस्व, आयुर्वेदिक एवं यूनानी, पशुपालन, कृषि, उद्यान सहित कुल 23 विभागों ने अपने-अपने स्टॉल लगाए। इस अवसर पर अधिशासी अभियंता विद्युत नंदिता अग्रवाल, खंड विकास अधिकारी विद्या दत्त रतूड़ी आदि मौजूद रहे।

## कार्यालय उपजिलाधिकारी धुमाकोट, जनपद गढ़वाल

संख्या 183/ना0ना0-/2026- धुमाकोट | दिनांक 19 फरवरी 2026

### सार्वजनिक निविदा सूचना

राजस्व परिषद, उत्तराखण्ड देहरादून के पत्र संख्या-721/8-1 (बजट)/2025-26 दिनांक 19 नवम्बर 2025 के द्वारा सब डिवीजनल मजिस्ट्रेट, धुमाकोट/ तहसील धुमाकोट के आवासीय भवन की रंगाई पुताई का कार्य हेतु अनुरक्षण मद में रू0 8,29,000-00 की निम्न शर्तो/प्रतिबन्धों के साथ वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। जिसका विवरण निम्न प्रकार से है। उक्त कार्य को कराये जाने हेतु उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली-2025 के प्रस्तर 4.7.4 के बिन्दु संख्या-04 एंव बिन्दु संख्या-05 में किये गये प्राविधानों के अन्तर्गत इच्छुक पंजीकृत ठेकेदारों से सील्ड बन्द निविदाये दिनांक 11/03/2026 को अपरान्ह 04:00 बजे तक आमंत्रित की जायेगी। प्राप्त निविदाये दिनांक 12/03/2026 को अपरान्ह 02 बजे गठित समिति द्वारा निविदादाताओं की उपस्थिति में खोली जायेगी। कार्य का विवरण एवं निविदा की शर्ते निम्नवत् होगीः-

| क्र0 सं0 | कार्य का नाम | स्वीकृत धनराशि |
|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 |
| 1 | सब डिवीजनल मजिस्ट्रेट आवास की रंगाई पुताई का कार्य | 1,51,000-00 |
| 2 | तहसील आवासीय भवन की रंगाई पुताई का कार्य | 2,52,000-00 |
| 3 | तहसील आवासीय भवन की रंगाई पुताई का कार्य | 4,26,000-00 |
| | योगः- (आठ लाख उनतीस हजार) | 8,29,000-00 |

1- निविदाकार/ठेकेदार का किसी भी राजकीय विभाग में ठेकेदारी का पंजीकरण/ जी0एस0टी0 पंजीयन होना अनिवार्य होगा तथा उक्त प्रमाण पत्रों को संलग्न करना होगा।

2- निविदाकार द्वारा फार्म फीस रू0- 500.00 एवं 18 प्रतिशत जी0एस0टी0 कुल 590.00 को नकद/ड्राफ्ट उपजिलाधिकारी धुमाकोट गढ़वाल के नाम देय हो संलग्न करना अनिवार्य होगा।

3- प्राप्त निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार उपजिलाधिकारी धुमाकोट गढ़वाल का होगा।

4- सबसे न्यूनराशि की निविदा ही स्वीकार्य की जायेगी बशर्त कि सामग्री की आपूर्ति विशिष्ट के अनुसार हो, एवं विश्वसनीय सामग्री की आपूर्ति सुनिश्चित किये जाने पर ही भुगतान किया जायेगा।

5- किसी भी विवाद के निपटान हेतु क्षेत्राधिकार तहसील धुमाकोट का होगा।

6- बिलम्ब से प्राप्त निविदा पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

7- कार्यदेश जारी होने के 01 माह के अन्दर कार्य पूर्ण करना होगा।

8- भुगतान के समय नियमानुसार आयकर/जी0एस0टी0 एवं 10 प्रतिशत धरोहर राशि की कटौती की जायेगी।

9- कार्य का भुगतान तकनीकी जॉच के पश्चात सन्तोष जनक पाये जाने पर एम0बी0 के अनुसार किया जायेगा।

10- निविदाकार को रू0 100-00 का ज्यूडिशियल स्टाम्प जो कि नोटरी द्वारा सत्यापित हो, जमा करना अनिवार्य होगा।

11- निविदाकार को उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली-2025 के प्रस्तर-8(1) के अनुसार कार्य पूर्ति धनराशि के रूप में 03 प्रतिशत की धनराशि की सी0डी0आर/एफ0डी0आर0/बैक ड्राफ्ट उपजिलाधिकारी धुमाकोट गढ़वाल के नाम बन्धक रखना अनिवार्य होगा जिसकी अवधि 180 दिनों तक के लिए वैध होनी अनिवार्य होगी।

**(श्रेष्ठ गुनसोला)**
**उपजिलाधिकारी**
**धुमाकोट गढ़वाल।**

(1539/21)

## संक्षिप्त समाचार

### अगस्त्यमुनि मैदान में प्रस्तावित निर्माण निरस्त करने की मांग

रुद्रप्रयाग। अगस्त्यमुनि मंदिर समिति के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को मठाधीश योगेश बेंजवाल के नेतृत्व में जिलाधिकारी विशाल मिश्रा से मुलाकात कर उन्हें जनपद की कमान संभालने पर शुभकामनाएं दीं। साथ ही अगस्त्यमुनि मैदान में प्रस्तावित निर्माण कार्य को तत्काल निरस्त करने तथा मुनि महाराज की डोली यात्रा के दौरान दर्ज मुकदमों को वापस लेने की मांग उठाई। प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि अगस्त्यमुनि मैदान क्षेत्र की धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक गतिविधियों का केंद्र है। यहां वर्षों से धार्मिक अनुष्ठान, मेले, कथा–कीर्तन, सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित होते रहे हैं। शीतकाल में विद्यालयों की कक्षाएं तथा जनपद स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताएं भी इसी मैदान में होती हैं। ऐसे में प्रस्तावित निर्माण को जनभावनाओं के विपरीत बताया गया। समिति ने श्रद्धालुओं पर संगीन धाराओं में दर्ज मुकदमों को वापस लेने की मांग करते हुए कहा कि कानूनी कार्रवाई से क्षेत्र में असंतोष का माहौल है। प्रशासन से संवाद के माध्यम से समाधान निकालने और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की अपील की गई। मैदान के समतलीकरण की मांग भी प्रमुखता से रखी गई।

### बैंक को ब्याज सहित लौटानी होगी एफडी की बची हुई रकम

देहरादून। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने इंडियन बैंक (पूर्व इलाहाबाद बैंक) की पौड़ी शाखा को उपभोक्ता की सावधि जमा (एफडीआर) समय से पहले बंद करने के मामले में सेवा में कमी का दोषी माना है। आयोग के अध्यक्ष पुष्पेन्द्र खरे और सदस्य अल्का नेगी ने बैंक को उपभोक्ता के वित्तीय नुकसान की भरपाई करने का आदेश दिया। पौड़ी निवासी प्रेम कुमार बहुगुणा ने बैंक में 23,96,500 की एफडीआर करवाई थी, जिसकी परिपक्वता तिथि 30 अप्रैल 2022 निर्धारित थी। आरोप है कि बैंक ने बिना उपभोक्ता की सहमति के एफडीआर को समय से पहले बंद कर दिया, जिससे उन्हें 86,720 का नुकसान हुआ।आयोग ने अपने आदेश में बैंक को निर्देश दिया कि वह उक्त राशि 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित 45 दिनों के भीतर परिवादी को लौटाए। साथ ही मानसिक उत्पीड़न के लिए 10,000 और वाद व्यय के रूप में 5,000 अतिरिक्त देने के निर्देश भी दिए गए। आयोग ने कहा कि उपभोक्ता की अनुमति के बिना जमा तोड़ना बैंक की लापरवाही है और यह उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन है।

### पावरएक्सचेंज ऐप व अंतरराज्यीय पीयर–टू–पीयर ऊर्जा ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म का शुभारंभ

देहरादून। विकेन्द्रीकृत और स्वच्छ ऊर्जा भविष्य की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में, दिल्ली में चल रहे ग्लोबल एआई समिट के दौरान इंडिया एनर्जी स्टैक पवेलियन में पावरएक्सचेंज ऐप और अंतरराज्यीय पीयर–टू–पीयर ऊर्जा ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म का शुभारंभ किया गया। अधिकारियों ने कहा कि यह पहल देशभर में विशेष रूप से नवीकरणीय ऊर्जा से समृद्ध राज्यों जैसे उत्तराखंड बिजली के उत्पादन, व्यापार और उपभोग के तरीके को बदल सकती है। यह प्लेट-फॉर्म उपभोक्ताओं और "प्रोज्यूमर" यानी वे घर या संस्थान जो बिजली का उत्पादन भी करते हैं और उपभोग भी को ब्लॉकचेन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग आधारित डिजिटल मार्केटप्लेस के माध्यम से अतिरिक्त सौर ऊर्जा का सीधे व्यापार करने की सुविधा देता है।

### मांगों के समाधान न होने पर डिप्लोमा इंजीनियरों ने भेजा ज्ञापन

अल्मोड़ा। लंबित मांगों के निराकरण में हो रही देरी से नाराज उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियरों ने बुधवार को शक्ति सदन में धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान अभियंताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रोष जताया और जल्द समाधान न होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी। धरने के दौरान आयोजित सभा में वक्ताओं ने कहा कि शासन स्तर पर लगातार अनुरोध के बावजूद 27 सूत्रीय मांगों पर अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है, जिससे सदस्यों में असंतोष बढ़ता जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि विकास कार्यों, मूलभूत सुविधाओं के संचालन और आपदा राहत जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में अहम भूमिका निभाने के बावजूद अभियंताओं की समस्याओं की अनदेखी की जा रही है। अभियंताओं ने ऐलान किया कि यदि मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं होती है तो 23 फरवरी को देहरादून में रैली निकालकर सचिवालय का घेराव किया जाएगा।

# ओवरलोडिंग एवं तेज रफ्तार पर विशेष निगरानी रखें

**जयन्त प्रतिनिधि।**

चमोली : जनपद में सड़क दुर्घटनाओं को नियंत्रित करने के लिए मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी की अध्यक्षता में बृहस्पतिवार को एनआईसी कक्ष में सड़क सुरक्षा समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सड़क सुरक्षा के नियमों के बारे में आम जनमानस को जागरूक करें ताकि कोई भी सड़क दुर्घटना ना हो। उन्होंने सहायक परिवहन अधिकारी एवं पुलिस विभाग को सख्त हिदायत दी है कि ओवरलोडिंग एवं तेज रफ्तार के कारण कोई दुर्घटना न हो इस पर कड़ी निगरानी रखे तथा वाहनों के फिटनेस का भी नियमित रूप से परीक्षण किया जाए। उन्होंने कहा कि तेज रफ्तार, शराब पीकर वाहन चलाने, बिना हेलमेट समेत अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर आपसी समन्वय के साथ नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। मुख्य विकास अधिकारी ने सड़क से जुड़े अधिकारियों को निर्देश दिए कि उनके अधीन जो भी सड़कें हैं एवं उन सड़कों में अभी तक मलबा पड़ा है उसे हर हाल में हटाना सुनिश्चित करें तथा जिन स्लाइडिंग जोनों में मलबा पड़ा है एवं क्षतिग्रस्त दीवारों का कार्य शुरू नहीं किया गया है उन स्थानों पर तत्काल कार्य शुरू करें। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि जनपद के अंतर्गत जो भी दुर्घटना संभावित/ब्लैक स्पॉट हैं उन्हें भी चिन्हित कर उस स्थान पर क्या सुधारीकरण कार्य किया जा सकता है, इस संबंध में आख्या उपलब्ध कराएं। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को भी निर्देश दिए कि किसी प्रकार की सड़क दुर्घटना होने पर त्वरित राहत एवं बचाव कार्यों के लिए सभी सीएचसी पीएचसी चिकित्सालयों में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं एवं उपकरण उपलब्ध रहे। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी अभिषेक गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

## पांच अरब में होगा ज्योतिर्मठ में द्वितीय चरण का स्थिरीकरण कार्य

चमोली। भू–धंसाव प्रभावित ज्योतिर्मठ के स्थिरीकरण के लिए द्वितीय चरण में पांच अरब से अधिक के कार्य होने हैं। लोनिवि ने निर्माण कार्यों के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। विभाग का कहना है कि दो–चार दिन में कार्य आरंभ कर दिया जाएगा। ज्योतिर्मठ में जनवरी 2023 में भू–धंसाव शुरू हुआ था जिससे नगर का बड़ा क्षेत्र प्रभावित हुआ। कई आवासीय भवन जर्जर हो गए जिन्हें लोगों ने छोड़ दिया। पुनर्वास, पुनर्निर्माण योजना के लिए केंद्र सरकार की ओर से 1658.17 करोड़ रुपये मंजूर किए गए। प्रथम चरण में 100 करोड़ रुपये के कार्य सिंचाई विभाग की ओर से किए जा रहे हैं। इसमें सुरक्षा दीवार के निर्माण सहित अन्य कार्य कराए जा रहे हैं। अब द्वितीय चरण के कार्य लोनिवि की ओर से कराए जाएंगे। इसके लिए 516 करोड़ 98 लाख रुपये (5.1698 अरब) स्वीकृत हैं। इसमें नगर क्षेत्र के प्रभावित क्षेत्रों में अत्याधुनिक तकनीकी के तहत कार्य किए जाएंगे। यह नगर का सबसे महत्वपूर्ण कार्य है, जिसपर नगर का भविष्य निर्भर करेगा। यही कार्य नगर को भविष्य में धूं धंसाव जैसी आपदाओं से बचाने में कारगर साबित होगा। इस कार्य में जो तकनीकी उपयोग में लाई जाएगी उसमें जमीन को अंदर से मजबूती देने का काम किया जाएगा। लोनिवि ने इसके लिए सभी तरह की तैयारियां कर ली हैं।

# अल्मोड़ा में चला सघन सत्यापन अभियान

अल्मोड़ा। जनपद में बाहरी व्यक्तियों के सत्यापन को लेकर पुलिस का अभियान लगातार तेज किया जा रहा है। मुख्यालय के निर्देश पर चल रहे 'ऑपरेशन क्रैक डाउन' के तहत गुरुवार को जिले भर में सघन सत्यापन अभियान चलाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में किरायेदारों, मजदूरों और फड़–फेरी करने वाले लोगों की जांच की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोडके के निर्देश पर सभी थाना प्रभारियों को अपने–अपने क्षेत्रों के संवेदनशील स्थान चिन्हित कर व्यापक स्तर पर सत्यापन करने को कहा गया है। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक हरबन्स सिंह के मार्गदर्शन में क्षेत्राधिकारी अल्मोड़ा बलवंत सिंह रावत और क्षेत्राधिकारी रानीखेत विमल प्रसाद के पर्यवेक्षण में पुलिस टीमों ने विभिन्न क्षेत्रों में अभियान चलाया। अभियान के दौरान कुल 223 बाहरी व्यक्तियों का सत्यापन किया गया।

## स्वच्छता में लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई : डीएम

**जयन्त प्रतिनिधि।**

रूद्रप्रयाग : जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग विशाल मिश्रा ने जनपद में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाए रखने के संबंध में सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनसामान्य को स्वच्छ, सुरक्षित एवं स्वास्थ्यप्रद वातावरण उपलब्ध कराना तथा पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उल्लेखनीय है कि श्री केदारनाथ धाम यात्रा 2026 के दृष्टिगत जनपद रुद्रप्रयाग में देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं यात्रियों के आगमन की संभावना है। ऐसे में जनपद के समस्त नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था का उच्चतम स्तर सुनिश्चित किया जाना अत्यंत आवश्यक है, ताकि आगंतुकों को स्वच्छ, सुव्यवस्थित एवं अनुकूल वातावरण प्राप्त हो सके। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया है कि सभी संबंधित विभाग, नगर निकाय, ग्राम पंचायतें एवं अन्य कार्यदायी संस्थाएं अपने-अपने क्षेत्रांतर्गत तत्काल प्रभाव से विशेष स्वच्छता अभियान संचालित करें। अभियान के अंतर्गत सार्वजनिक स्थलों, मार्गों, बाजार क्षेत्रों, पार्किंग स्थलों, शौचालयों, पेयजल स्रोतों एवं धार्मिक स्थलों के आसपास विशेष साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही निर्देश दिए गए हैं कि प्रतिदिन की प्रगति आख्या फोटोग्राफ सहित जिला कार्यालय को उपलब्ध कराई जाए तथा ह्वशौचालय स्वच्छता एवं पेयजलह्व व्हाट्सएप समूह में अनिवार्य रूप से प्रेषित की जाए, जिससे सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जा सके। जिलाधिकारी ने अवगत कराया कि आगामी सप्ताह में वे स्वयं विभिन्न क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण करेंगे।

## आपदा से क्षतिग्रस्त हैं देवाल के 22 से अधिक विद्यालय

चमोली। दैवी आपदा से क्षतिग्रस्त ब्लॉक के करीब 22 से अधिक विद्यालयों की मरम्मत के लिए धनराशि नहीं मिली। प्राथमिक विद्यालय बमोटिया, भौरियाबगण, उच्च प्राथमिक विद्यालय बांक सहित कई विद्यालय भवनों की वृहद मरम्मत, मुख्य भवन के आगे क्षतिग्रस्त दीवार मरम्मत, किचन कम स्टोर, भवन के छत, क्षतिग्रस्त शौचालय आदि कामों की मरम्मत के लिए आपदा मद में धनराशि नहीं मिली। करीब तीन साल से ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय बमोटिया सहित कई विद्यालय जर्जर हालत में हैं। शिक्षा विभाग विद्यालय मरम्मत का प्रस्ताव हर साल भेज रहा है। ब्लॉक के कई विद्यालयों की छत में दरारें के कारण बरसात में पानी कमरों में आने से बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही है।

# बोर्ड परीक्षा 21 फरवरी से होगी शुरू, तैयारियां पूरी

**जयन्त प्रतिनिधि।**

रूद्रप्रयाग : अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा की अध्यक्षता में उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद् रामनगर (नैनीताल) द्वारा आयोजित वर्ष 2026 की हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट परीक्षाओं में नकल की रोकथाम तथा परीक्षाओं को शान्तिपूर्वक ढंग से सम्पन्न कराये जाने हेतु जनपद के सेक्टर मजिस्ट्रेट/पुलिस उपाधीक्षक, केन्द्र व्यवस्थापक, पर्यवेक्षक, खण्ड शिक्षा अधिकारी आदि की बैठक आहुत की गई।

इस अवसर पर मुख्य शिक्षा अधिकारी प्रमेंद्र बिष्ट ने जानकारी देते हुए बताया कि परिषदीय परीक्षा 2026 के सफल संपादन हेतु जनपद में 69 परीक्षा केन्द्र बनाये गये हैं, जो सभी मिश्रित है। इनमें 04 संवेदनशील तथा 65 सामान्य परीक्षा केन्द्र है। हाईस्कूल इण्टरमीडिएट परीक्षा दिनांक 21 फरवरी से 20 मार्च, 2026 तक एकल पाली में प्रातः 10:00 बजे से 01:00 बजे तक सम्पन्न होंगी। उन्होंने बताया कि जनपद में हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट परीक्षा में कुल 6521 परीक्षार्थी (हाईस्कूल के संस्थागत परीक्षार्थी 1686 बालक, 1620 बालिका, कुल 3306 तथा व्यक्तिगत परीक्षार्थी 7 बालक, 3 बालिका, कुल 10 तथा इण्टरमीडिएट संस्थागत परीक्षार्थी 1587 बालक, 1593 बालिका, कुल 3180 तथा व्यक्तिगत परीक्षार्थी 14 बालक, 11 बालिका कुल 25) सम्मिलित होंगे। सभी परीक्षा केन्द्र सेक्टर मजिस्ट्रेट, केन्द्र व्यवस्थापक, कस्टोडियन, पर्यवेक्षक आदि की नियुक्ति की जा चुकी है। उत्तर पुस्तिकाओं हेतु जनपद में 02 संकलन केन्द्र (रा.इं.का.रतूड़ा एवं अ.उ.रा.इं.का.अगस्त्यमुनि) बनाये गये हैं। प्रभावी निरीक्षण एवं अनुश्रवण हेतु जनपद व विकासखण्ड स्तर पर सचल दल का गठन किया जा चुका है। जनपद के सभी परीक्षा केन्द्रों को उत्तर पुस्तिका एवं गोपनीय सामाग्री वितरित की जा चुकी है। जनपद स्तर पर त्वरित सूचनाओं अथवा समस्याओं के समाधान हेतु मुख्य शिक्षा अधिकारी कार्यालय में कन्ट्रोल रूम का निर्माण किया जा चुका है।

# जिला चिकित्सालय में होगी टीबी की त्वरित जांच

## ओएनजीसी ने स्वास्थ्य विभाग को उपलब्ध कराया टू–नॉट उपकरण

**जयन्त प्रतिनिधि।**

चमोली : चमोली में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। जिसके तहत स्वास्थ्य विभाग की ओर से टीबी की त्वरित जांच के लिए गुरुवार को जिला चिकित्सालय में टू-नॉट उपकरण उपलब्ध करा दिया गया है। यह उपकरण स्वास्थ्य विभाग को ओएनजीसी की ओर से कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व कार्यक्रत के तहत उपलब्ध कराया गया है। जिसके बाद अब जिला चिकित्सालय में टीबी की त्वरित जांच की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिषेक गुप्ता ने कहा कि तपेदिक (टीबी) आज भी एक गंभीर संक्रामक रोग है।

जिसकी समय पर जांच और उपचार न मिलने पर यह बीमारी जानलेवा साबित हो सकती है। ऐसे में ओएनजीसी की ओर से स्वास्थ्य विभाग को उपलब्ध कराया गया टू-नॉट उपकरण समय से बीमारी की पहचान, सटीक जांच और उपचार में सहायक सिद्ध होगा। इस उपकरण के माध्यम से जनपद में टीबी नियंत्रण अभियान को मजबूती मिलेगी। इस मौके पर अपर मुख्य चिकित्साधिकारी वैष्णव कृष्णा, लक्ष्मण सिंह, नरेंद्र सिंह और ओएनजीसी के पदाधिकारी आदि मौजूद थे।

## ग्रामीणों को दिया आपदा जोखिम न्यूनीकरण का प्रशिक्षण

उत्तरकाशी। क्षेत्र में आपदा प्रबंधन को सशक्त और समावेशी बनाने के उद्देश्य से बुरांश संस्था की ओर से ग्रामीणों को दो दिवसीय सामुदायिक आधारित समावेशी आपदा जोखिम न्यूनीकरण का प्रशिक्षण दिया। इसमें ग्रामीणों को सुरक्षित भविष्य एवं आपदा से पहले तैयारी करने का प्रशिक्षण दिया गया। बुरांश परियोजना पुरोला की ओर से आयोजित प्रशिक्षण का शुभारंभ संस्था के प्रोजेक्ट कोडिनेटर प्रकाश राज ने किया। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को आपदा से पूर्व तैयारी, जोखिम की पहचान, समुदाय की सक्रिय भागीदारी, विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों एवं दिव्यांगजनों को आपदा प्रबंधन में शामिल करने के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई।

## एक शिक्षक के भरोसे चल रहा कुथनौरगाँव का उच्च प्राथमिक स्कूल

उत्तरकाशी। जनपद के सरकारी स्कूलों में शिक्षण व्यवस्था रामभरोसे चल रही है। बड़कोट के कुथनौर गांव में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में सालों से छात्रों के पठन–पाठन का जिम्मा महज एक शिक्षक पर है। स्कूल में शिक्षकों की नियुक्ति की मांग के बावजूद शिक्षा विभाग की ओर से आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। कुथनौर में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय और राजकीय इंटर कॉलेज का एक ही परिसर है। इंटर कॉलेज में 12 से 14 शिक्षक तैनात हैं, लेकिन उच्च प्राथमिक स्कूल में एक ही शिक्षक 40–50 बच्चों को पढ़ा रहा है। ऐसे में एक शिक्षक से ही बच्चों को सारे विषय की पढ़ाई कवर करनी पड़ रही है। कुथनौर प्रधान संदीप नौटियाल ने बताया कि दो तीन साल पहले तक स्कूल में दो शिक्षक थे लेकिन इस बीच एक शिक्षक का तबादला हो गया जिससे अब स्कूल एकमात्र शिक्षक के भरोसे संचालित हो रहा है। स्कूल में क्षेत्र के कुथनौर, नाखुणा, कफोला, हालना, पाली, पुजारगांव आदि गांवों से स्कूली बच्चे पढ़ने आते हैं, लेकिन शिक्षकों की कमी के कारण बच्चों का पठन–पाठन पूरी तरह से चौपट है। इससे अभिभावक अपने बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में जिलाधिकारी को भी पत्र प्रेषित किया गया है। अभिभावकों की मांग है कि यहां एक परिसर में संचालित दोनों विद्यालयों का एकीकरण किया जाए और उच्च प्राथमिक स्तर पर शिक्षकों की पर्याप्त तैनाती हो। उन्होंने विद्यालय में जल्द और शिक्षकों की नियुक्ति न होने पर आंदोलन करने की चेतावनी दी। प्रभारी खंड शिक्षाधिकारी नौगांव नरेश रावत का कहना है कि हाल ही में दुर्गम विद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति हुई है।

# जौनपुर रेंजों को मुनिकीरेती में शामिल करने का विरोध

नई टिहरी। जौनपुर ब्लॉक की बद्रीगाड, कैंपटी, देवलसारी और जौनपुर रेंजों को मसूरी वन प्रभाग से मुनिकीरेती वन प्रभाग में शामिल किए जाने के विरोध में क्षेत्र के ग्रामीणों ने धरना दिया। वन मंत्री को भेजे ज्ञापन में उन्होंने रेंजों को यथावत रखने की मांग उठाई। रेंजों को जबरन मुनिकीरेती में शामिल किए जाने पर आंदोलन की चेतावनी दी। मसूरी पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मनमोहन सिंह मल्ल के नेतृत्व में जौनपुर की चारों रेजों को मसूरी वन प्रभाग से हटाकर मुनिकीरेती वन प्रभाग में शामिल किए जाने के विरोध में क्षेत्र के ग्रामीणों ने मसूरी वन प्रभाग कार्यालय में पहुंचकर सांकेतिक धरना दिया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। पूर्व पालिका अध्यक्ष मल्ल ने कहा कि जौनपुर क्षेत्र की चारों रेंजों को मुनिकीरेती में शामिल किए जाना औचित्यहीन है। जौनपुर क्षेत्र के लोग अपने काम के सिलसिले में अक्सर मसूरी वन प्रभाग में आते हैं। क्षेत्र के लोगों के यहां पहुंचना आसान है लेकिन मुनिकीरेती में शामिल किए जाने के बाद लोगों के लिए सैकड़ों किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ेगी। लोगों की भावनाओं के विपरीत किए जा रहे इस कार्य पुरजोर विरोध किया जाएगा। ग्रामीणों ने एसडीओ दिनेश प्रसाद नौटियाल के माध्यम से वन मंत्री को ज्ञापन भेजकर चारों रेंजों को यथावत रखने की मांग की है।

## तेज रफ्तार बाइक ने बुजुर्ग को मारी टक्कर, पैर टूटा

देहरादून। पटेलनगर क्षेत्र के माजरा में सड़क पार कर रहे एक बुजुर्ग को तेज रफ्तार बाइक सवार ने जोरदार टक्कर मार दी।

हादसे में बुजुर्ग का पैर टूट गया और सिर में गंभीर चोटें आई हैं। घटना 10 फरवरी की सुबह करीब आठ बजे की है, जब शरणजीत स्कूल के पास रहने वाले राजकुमार भंडारी दुकान से घरेलू सामान लेकर घर लौट रहे थे। इंस्पेक्टर सीबीएस अधिकारी ने बताया कि बुजुर्ग के भांजे की ओर से केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बाइक चालक की पहचान भी कर ली है। बुजुर्ग का ऑपरेशन होना है, लेकिन आरोपी सुमित जोशी पहले ऑपरेशन कराने को तैयार था, लेकिन बाद में मुकर गया।

# जनगणना-2027 की तैयारियों के दृष्टिगत प्रशिक्षण कार्यशाला का हुआ आयोजन

**जयन्त प्रतिनिधि।**

रूद्रप्रयाग : आगामी जनगणना-2027 का प्रथम चरण (मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना) वर्ष 2026 एवं द्वितीय चरण की (जनसंख्या गणना) 2027 में किए जाने के दृष्टिगत जनपद स्तर पर जनपद स्तरीय अधिकारियों संबंधित अधिकारियों, चार्ज अधिकारी, चार्ज सहायक एवं अन्य कर्मचारियों हेतु तीन दिवसीय जनगणना प्रशिक्षण का गुरूवार को शुभारंभ किया गया।

जिला कार्यालय सभागार में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के अवसर पर संयुक्त निदेशक एवं कार्यालय प्रमुख जनगणना कार्य निदेशालय शैलेंद्र सिंह नेगी ने बताया कि आगामी जनगणना, 2027 ऐतिहासिक एवं विशेष है। बताया कि यह प्रथम अवसर होगा जब संपूर्ण जनगणना प्रक्रिया शत-प्रतिशत डिजिटल माध्यम से संपादित की जाएगी। इस बार जनगणना कार्य पूर्णतः मोबाइल एप्लिकेशन आधारित होगा। प्रगणक एवं पर्यवेक्षक अपने स्वयं के मोबाइल फोन के माध्यम से आंकड़ों का संकलन करेंगे। साथ ही, आरंभ से अंत तक संपूर्ण संचालन, पर्यवेक्षण एवं प्रबंधन हेतु जनगणना प्रबंधन एवं निगरानी प्रणाली का उपयोग किया जाएगा, जिसे जनगणना का मस्तिष्क के रूप में जाना जा सकता है। इस अवसर पर नितिश रावत, गौरव पुरोहित सहित देहरादून निदेशालय जणगना से प्रशिक्षक एवं प्रशिक्षणार्थी मौजूद रहे।

# संवेदनशील स्थलों पर भूखंड आवंटन की जांच शुरू, डीएम सख्त

नई टिहरी। टिहरी बांध प्रभावितों और विस्थापितों के लिए जिला मुख्यालय व आसपास के क्षेत्रों में पुनर्वास विभाग की ओर से आवंटित भूखंडों की जिला प्रशासन ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है। जिला प्रशासन को शिकायत को मिली है कि आवंटित भूखंडों पर मानकों के अनुरूप कार्य नहीं किया जा रहा है। कई लोगों ने निर्धारित क्षेत्रफल से अधिक भूमि पर कब्जा कर दिया है जिससे सार्वजनिक रास्ते भी बंद हो गए हैं। लोगों को आवागमन में दिक्कतें झेलनी पड़ रही है। भूखंडों को विकसित करने के दौरान निकलने वाले मलबे को वन विभाग की भूमि पर डंप किया जा रहा है। पिछले दो–तीन सालों में पुनर्वास विभाग नई टिहरी और आसपास के क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर भूखंडों को आवंटन किया है। इन दिनों भूखंडों को विकसित कर उन पर निर्माण कार्य जोरशोर से चल रहा है। बीते दिन नई टिहरी थाने के पास सड़क की दीवार तोड़कर खोदाई करने से ऊपर बने मकान खतरे की जद में आ गए हैं। इससे भयभीत भवन स्वामियों ने डीएम को दिए ज्ञापन में भवन की सुरक्षा के लिए खोदाई बंद करने और परिवर्तन कर डंपिंग जोन में भूखंड आवंटन कराने की जांच करने की मांग की थी। जिला प्रशासन को अन्य कई स्थानों पर मानकों के अनुरूप निर्माण कार्य न होने की शिकायत मिली है। स्थानीय लोगों की ओर से लगातार मिल रही शिकायतों पर डीएम नितिका खंडेलवाल ने शिंकजा कसना शुरू कर दिया है। अविकसित प्लाटों के डेवलपमेंट के दौरान आसपास की कॉलोनी व भवनों को नुकसान होने की शिकायतें मिल रही है। एसडीएम/प्रभारी अधिकारी पुनर्वास को ऐसे सभी मामलों की जांच कर संबंधित लोगों को नोटिस जारी कर कार्य रुकवाने के निर्देश दिए हैं।

पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष को कारण बताओ नोटिस जारीः कुलणा क्षेत्र में अविकसित आवासीय भूखंड पर कराए जा रहे समतलीकरण कार्य को लेकर प्रशासन ने पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अंबिका सजवाण को नोटिस जारी किया है।

## उत्तराखंड विवि कर्मचारी महासंघ के चुनाव 22 फरवरी को

देहरादून। उत्तराखंड विश्वविद्यालय कर्मचारी महासंघ का द्विवार्षिक प्रदेश सम्मेलन 22 फरवरी को उत्तराखंड आयुर्वेद विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ की देख रेख में गुरुकुल परिसर में आयोजित होगा। सम्मेलन में प्रदेश के 11 राजकीय विश्वविद्यालयों के साथ केंद्रीय विश्वविद्यालय श्रीनगर व गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के कर्मचारी भाग लेंगे। महासंघ के अध्यक्ष भूपाल सिंह करायत व महामंत्री प्रशांत मेहता ने बताया कि सम्मेलन के प्रथम सत्र में भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली में संस्थागत स्वायत्तता विषय पर चर्चा होगी।

आयोजन समिति के अनुसार करीब 300 कर्मचारी शामिल होंगे और कुलपति प्रो. अरुण कुमार त्रिपाठी मुख्य अतिथि रहेंगे।

## अधिकारी 15 दिन में हल करें शिकायतें

नई टिहरी। जन–जन की सरकार जन–जन के द्वार कार्यक्रम के तहत यहां शोभन सिंह नेगी सामुदायिक भवन में आयोजित शिविर में कम लोग ही पहुंच पाए जिससे कुल 18 शिकायतें ही दर्ज हो पाई। अधिकारियों को संबंधित शिकायतों का 15 दिनों में निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। नगर क्षेत्र में स्थित सामुदायिक भवन में एसडीएम आशीष चंद्र घिल्डियाल, रेंजर विवेक जोशी और सहायक अभियंता गौरव जुयाल ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए एसडीएम ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं को आम जनमानस तक पहुंचाना है। कार्यक्रम में डौंर गांव के वीरेंद्र भंडारी ने आपदा से क्षतिग्रस्त भवन और खेत बदलने के लिए विस्थापन की मांग की। सेवानिवृत्ति कर्मचारी कल्याण संगठन के अध्यक्ष धर्म सिंह चौहान ने पालिका क्षेत्र में निर्माणाधीन पूल्ड हाउसों का कार्य जल्द पूरा कर क्षतिग्रस्त संपर्क मार्ग और नालियों की मरम्मत करने की मांग की। धनेश पालीवाल ने मुख्य बाजार के बरामदे एवं सड़क से अतिक्रमण हटाने, कुमार खेड़ा निवासी सुभाष कुमार ने बारात घर में जाने का रास्ता बनाने, पिपलेथ निवासी मकान दास ने सड़क के कारण अनुसूचित जाति के चार परिवारों के भावन क्षतिग्रस्त होने पर मुआवजा देने की मांग की। पिलड़ी दुआधार निवासी बलबीर सिंह ने पर जलापूर्ति बाधित होने की शिकायत दर्ज कराई। शिक्षक महेश गुसाईं ने संचालन किया। इस मौके पर अधिशासी अधिकारी ऐलम सिंह रावत, एसीएमओ डॉ. चंदन मिश्रा, थानाध्यक्ष कृष्णाराज शर्मा, केशव जोशी, राजेंद्र सिंह राणा और राजपाल सिंह पुंडीर आदि मौजूद थे।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com